उड़ान

शिक्षा की

भाग 2

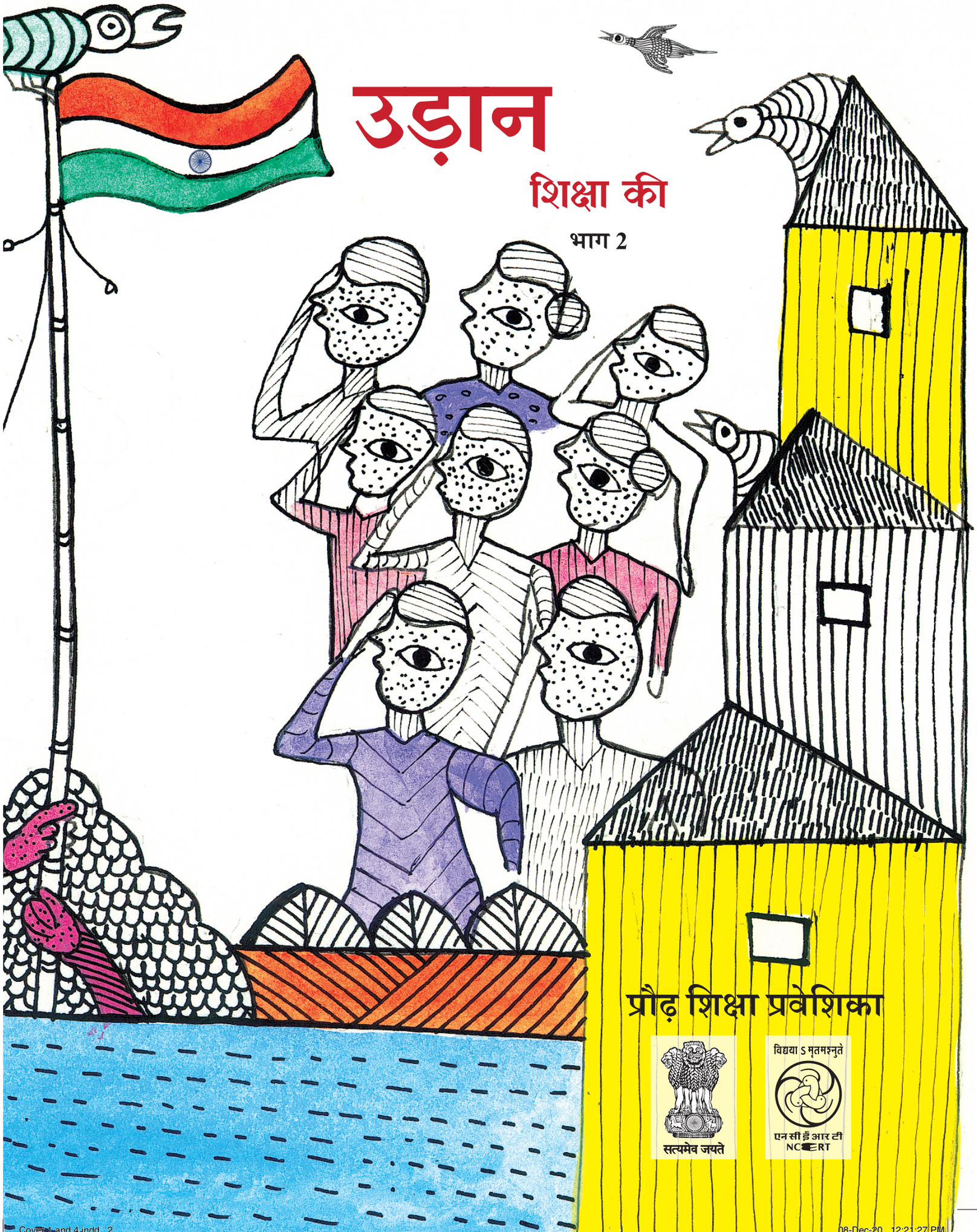

प्रौढ़ शिक्षा प्रवेशिका

सत्यमेव जयते

विद्यया S मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

Cover 1 and 4.indd 2 08-Dec-20 12:21:27 PM

Cover 1 and 4.indd 3 08-Dec-20 12:23:37 PM

उड़ान शिक्षा की

भाग 2

प्रौढ़ शिक्षा प्रवेशिका

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Prelims_Vol_2.indd 1 08-Dec-20 12:45:35 PM

प्रथम संस्करण

दिसंबर 2020 अग्रहायण 1942

PD

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2020

डिजिटल प्रिंट

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पिनहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *अनूप कुमार राजपूत*

मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*

मुख्य उत्पादन अधिकारी : *अरुण चितकारा*

मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी) : *विपिन दिवान*

ले-आउट एवं डिज़ाइन

श्वेता राव

बैनियन ट्री

आमुख

प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य उन व्यक्तियों को पढ़ने-लिखने के अवसर उपलब्ध कराना है जिनकी उम्र 15 साल या उससे अधिक है। इस अभियान में वे सभी बच्चे, युवा, वयस्क, प्रौढ़ शामिल हैं जो किन्हीं कारणों से या तो स्कूल नहीं जा सके या फिर किन्हीं कारणों से उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा। इस आयु-वर्ग के व्यक्ति अपने जीवन के अलग-अलग संदर्भों में अपनी भाषा या भाषाओं का इस्तेमाल भी करते हैं और गणितीय समझ के साथ अपने-अपने कामों में बखूबी लेन-देन भी करते हैं। यह संभव है कि ये सभी अपने-अपने जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में उचित तरीके से व्यवहार और कार्य करते हों, सही तरह से निर्णय लेते हों और समाज में एक उपयोगी सदस्य की भूमिका निभाते हों।

भारतीय राष्ट्रीय साक्षरता अभियान में, 'साक्षरता' को एक व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा गया। जिसमें 'साक्षरता' मात्र अक्षर-ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 'अर्थ' के साथ जोड़ते हुए इसके आयामों को विस्तार दिया गया है।

'बुनियादी साक्षरता प्राप्त करना, शिक्षा प्राप्त करना और जीविकोपार्जन का अवसर प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। साक्षरता और बुनियादी शिक्षा, किसी के वैयक्तिक, नागरिक, आर्थिक और जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसरों की एक नवीन दुनिया खोल देती है। यह नवीन दुनिया व्यक्ति को निजी और व्यावसायिक, दोनों ही स्तरों पर आगे बढ़ाने में मदद करती है।' राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय के पढ़ना-लिखना अभियान के अंतर्गत वयस्क शिक्षार्थियों के लिए चार प्रवेशिकाओं का निर्माण किया गया है। ये प्रवेशिकाएँ समेकित रूप में बनाई गई हैं, जिसमें भाषा और गणित, दोनों शामिल हैं। विषय सामग्री के रूप में 13 विषय (थीम) तय किए गए हैं जो आमतौर पर हमारे आस-पास दिखाई देते हैं। ये विषय हैं— परिवार ओर पड़ोस, बातचीत, पर्यावरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, कानूनी साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, आपदा प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता आदि। भाषा के अंतर्गत इन्हीं विषयों से जुड़ी सार्थक, समग्र और रोचक सामग्री को लेते हुए, हिंदी भाषा और अंकगणित को पढ़ने-लिखने के अवसर जुटाए गए हैं। वयस्क शिक्षार्थियों के पढ़ने-लिखने और अंकगणित सीखने में मदद के लिए एक निर्देशिका का भी निर्माण किया गया है। यह निर्देशिका शिक्षकों/सुगमकर्ताओं द्वारा उपयोग में लाई जाएगी जो शिक्षार्थियों के सीखने में मदद करेगी। इस निर्देशिका में साक्षरता का व्यापक परिप्रेक्ष्य, भाषा व गणित सीखने के उद्देश्य, संप्राप्ति, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया और आकलन पर विस्तृत चर्चा की गई है। प्रवेशिकाओं और निर्देशिका में दिए गए बिंदु सुझाव के तौर पर हैं। शिक्षार्थियों की स्थानीय अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इनमें आवश्यकतानुसार बदलाव किया जा सकता है।

इस साक्षरता में 'आजीवन शिक्षा' का भाव भी कहीं न कहीं समाहित है। अतः इन प्रवेशिकाओं के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि वयस्क शिक्षार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्री का निर्माण किया जाए।

परिषद्, प्रवेशिकाओं और निर्देशिका के निर्माण में शामिल सभी विषय-विशेषज्ञों और परिषद् के संकाय सदस्यों, परियोजना-स्टाफ़ के अथक परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। साथ ही उन सभी रचनाकारों, संस्थाओं के प्रति भी कृतज्ञ है जिन्होंने अपनी सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम इन प्रवेशिकाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत हैं।

श्रीधर श्रीवास्तव
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
दिसंबर, 2020

Prelims_Vol_2.indd 4 08-Dec-20 12:45:38 PM

पुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष

श्रीधर श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *संयुक्त निदेशक,* एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

परामर्श

अनूप कुमार राजपूत, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
रंजना अरोड़ा, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* अध्यापक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
संध्या सिंह, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

समीक्षा समिति

अंजुम सीबिया, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
अशोक कुमार श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (शोध), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गौरी श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर,* सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
दिनेश कुमार सिंह, *प्रोफ़ेसर,* विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
श्वेता उप्पल, *मुख्य संपादक,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सरोज यादव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (भूतपूर्व) (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

हिंदी भाषा

वर्षा सिंघल, *टीचर फ़ैलो,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सोनिका कौशिक, *वरिष्ठ परामर्शदाता,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

गणित

उज़्मा, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गुंजन खुराना, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
धर्मप्रकाश, *प्रोफ़ेसर* (भूतपूर्व), प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
नम्रता निगम, *जे.पी.एफ़,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
राबिया मलिक, *टीचर फ़ैलो* एवं *परामर्शदाता*, प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सदस्य समन्वयक

उषा शर्मा, *प्रोफ़ेसर,* प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सशक्त बालिका सशक्त नारी
तभी उन्नत होगी मानवता हमारी

आभार

परिषद्, विपिन जैन, *संयुक्त सचिव*, प्रौढ़ शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस सामग्री के विकास में अपना सहयोग प्रदान किया।

परिषद्, उन सभी रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गई हैं। रचनाओं के प्रकाशन के लिए अनुमति देने के लिए *सचिव*, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, नयी दिल्ली *(*दानी पेड़, *सौ साल का सिनेमा)*; रमेश थानवी, *अध्यक्ष*, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति, जयपुर, राजस्थान *(घड़ियों की हड़ताल)*; सुशील शुक्ल, *निदेशक*, एकतारा, भोपाल *(दीवाली के दीये)*, सुभाष व्याम और दुर्गा बाई, *लोक चित्रकार*, भोपाल (ददरिया लोकगीत); केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक और केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, उत्तर प्रदेश *(कैसे आएगी नानी)* का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए परिषद् मंजुला माथुर, प्रोफ़ेसर, (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी., माधवी कुमार, *रीडर* (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी.; मालविका राय, *शिक्षाविद्*; शारदा कुमारी, *प्राचार्य*, डाइट, आर.के.पुरम; संजीव कुमार, *पूर्व प्राचार्य*, डाइट, नयी दिल्ली; शहजाद हुसैन, *पूर्व निदेशक*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली; मोहम्मद अलीम, *लेखक*, नयी दिल्ली; अपर्णा टिक्कू, *प्रोग्राम एसोसिएट*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली, सही राम, *लेखक*, नयी दिल्ली; रेनु चौहान, (सेवानिवृत्त) *एक्सटेंशन ऑफ़िसर,* नयी दिल्ली; रवीन्द्र पाल, (सेवानिवृत्त) *वरिष्ठ व्याख्याता*, डाइट, नयी दिल्ली; अक्षय कुमार दीक्षित, *शिक्षक*, सर्वोदय विद्यालय, नयी दिल्ली; सत्यवीर सिंह, *प्राचार्य*, एस.एन.आई. कॉलेज, बागपत, उत्तर प्रदेश; अनिल कुमार, *प्राचार्य*, डाइट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली; संदीप दिवाकर, *संसाधन व्यक्ति*, अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन; पंकज तिवारी, *शिक्षक*, सरकारी विद्यालय (उर्दू), सियोनी, मध्य प्रदेश के प्रति आभार व्यक्त करती है।

इसके साथ ही पुस्तक में चित्रांकन के लिए परिषद् शशि शेट्ये, नयी दिल्ली; सुनीता, *लोक चित्रकार* (मांडना शैली), सवाईंमाधोपुर, राजस्थान; सुभाष व्याम, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; दुर्गाबाई, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; मानसिंह, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; प्रशांत सोनी, उदयपुर, राजस्थान; सागर अरणकल्ले, नोएडा, उत्तर प्रदेश; शुभम, चंदेरी, मध्य प्रदेश; हबीब अली, ग्वालियर, मध्य प्रदेश; जितेंद्र चौरसिया, देवास मध्य प्रदेश, हरिओम पाटीदार, धार, मध्य प्रदेश, नीलेश गहलोत, धार, मध्य प्रदेश, तपोशी घोषाल, नयी दिल्ली; रुचिन सोनी, नयी दिल्ली का विशेष आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, नसीम अहमद, *मुख्य परामर्शदाता* (भूतपूर्व), राष्ट्रीय साक्षरता अभियान, शिक्षा मंत्रालय और आपगा, रोटरी इंडिया लिटेरसी मिशन, दिल्ली को उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, भारत निर्वाचन आयोग, राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, राज्य संसाधन केंद्र, इंदौर के प्रति भी आभार प्रकट करती है जिनकी वेबसाइट से प्रवेशिका के निर्माण के लिए उपयोगी सामग्री और चित्र प्राप्त हुए।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए संजू शर्मा, मोहम्मद आतिर, हरि दर्शन लोधी, अजय कुमार प्रजापति, गंर्धव, गिरीश गोयल, नितिन तंवर और आमिर अली, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) के आभारी हैं। परिषद्, प्रकाशन प्रभाग के संपादन स्कंध के सदस्यों, मीनाक्षी, *सहायक संपादक* (संविदा); कहकशा, *सहायक संपादक* (संविदा); दिनेश वशिष्ट, *सहायक संपादक* (संविदा); अंजु शर्मा, *संपादकीय सहायक* (संविदा) की आभारी है जिन्होंने प्रवेशिकाओं को अंतिम रूप देने में विशेष योगदान दिया है। परिषद्, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. की सपना, प्रेरणा और पाठ्यचर्या अध्ययन समूह के तेजकिशन और पवन के प्रति आभारी है जिनके सहयोग से इस कार्य को पूरा करने में मदद मिली।

प्रकाशन प्रभाग से मिले पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

Prelims_Vol_2.indd 8 08-Dec-20 12:45:40 PM

विषय-सूची

आमुख *iii*

4. पर्यावरण 2–23

हिंदी

- ए, ऐ, ज, ज़, भ, श, ष, ड, ड़, अनुस्वार, अनुनासिक
- सुखोमाजरी गाँव की कहानी
- दानी पेड़

गणित

- 1 से 100 तक की संख्या पढ़ना और लिखना
- समूहों में गिनना
- 1 से 50 तक जोड़ व घटा करना। (पुनर्समूहन के साथ)
- 51 से 100 तक जोड़ व घटा करना। (बिना पुनर्समूहन के)
- आँकड़ों का प्रबंधन

5. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता 24–43

हिंदी

- उ, ऊ, ह, छ, थ, फ, फ़, ठ
- मच्छरों से सावधान
- गांधी जी के आश्रम में

गणित

- 1000 तक की संख्या पहचानना, पढ़ना और लिखना
- इकाई, दहाई और सैकड़ों के समूहों में गिनना। (स्थानीय मान)
- एक अंकीय सख्याओं का गुणा करना
- आँकड़ों का प्रबंधन

6. मतदान 44–62

हिंदी

- घ, ध, ढ, ढ़, क्ष
- आप एक वोटर हैं

गणित

- तीन अंक वाली संख्याओं का जोड़ व घटा करना
- गुणा के तथ्यों का निर्माण करना
- लंबाई की माप (सेंटीमीटर, मीटर)
- आँकड़ों का प्रबंधन

7. कानूनी साक्षरता 63–81

हिंदी

- त्र, श्र, ण, ऋ, ज्ञ
- सबके लिए समान कानून
- गांधी जी
- प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.)

गणित

- दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली भिन्नों की समझ का उपयोग
- भाग की समझ बनाना
- वज़न का मापन करना (ग्राम, किलोग्राम)

Prelims_Vol_2.indd 10 08-Dec-20 12:45:40 PM

मेरी किताब

मेरा नाम – _____

मेरा पता – _____

_____

मेरा फ़ोन नंबर – _____

बातचीत के लिए

पानी, हवा, पेड़-पौधे, जीव-जंतु, मनुष्य, प्राकृतिक संसाधन (जैसे— कोयला) मिलकर पर्यावरण बनाते हैं। ये सब कैसे एक-दूसरे से संबंधित और एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं? इस विषय पर शिक्षार्थियों के साथ चर्चा करें।

- चित्र में चारपाई के कुल कितने पैर हैं?
- चित्र में कुल घर कितने हैं?

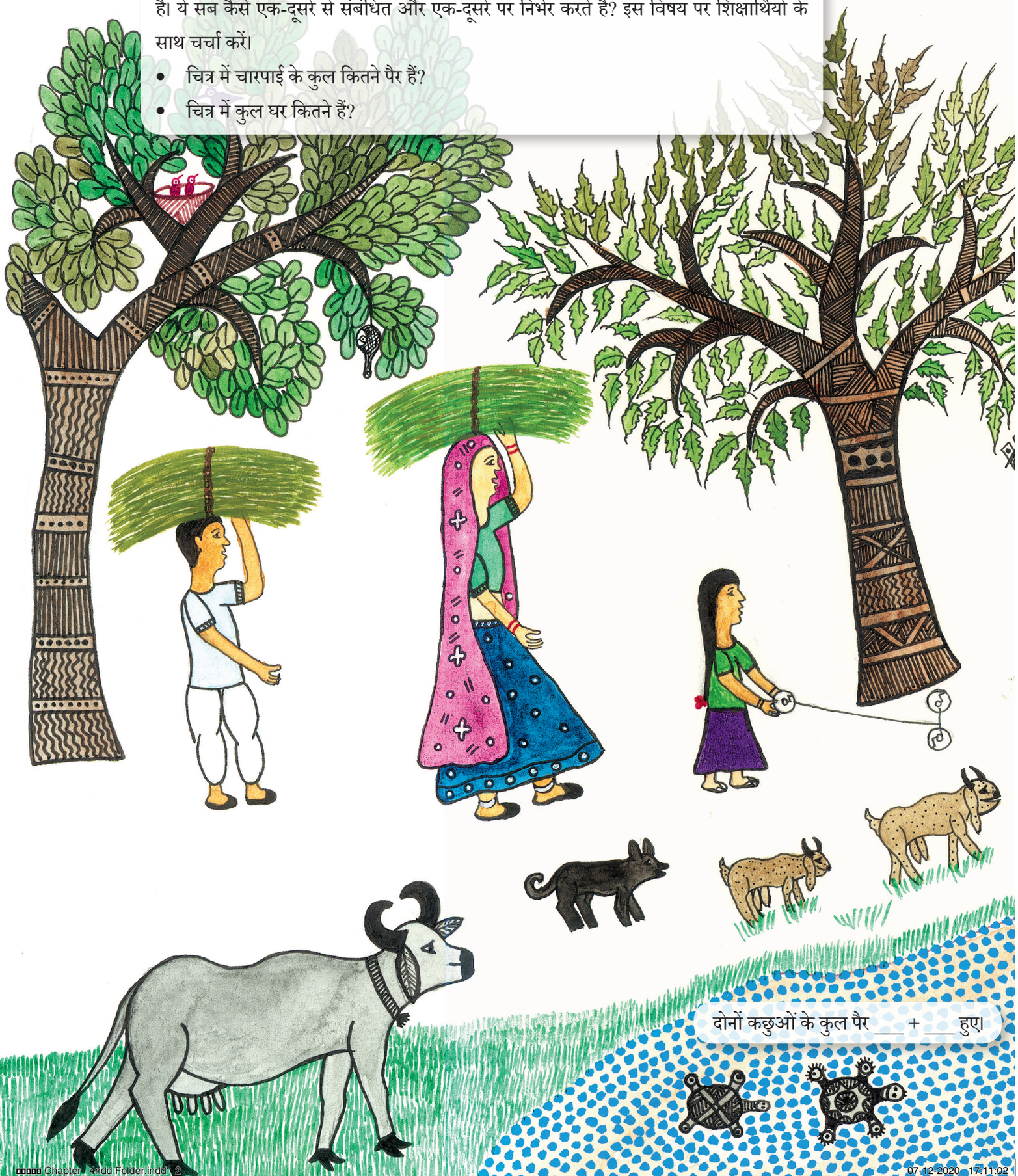

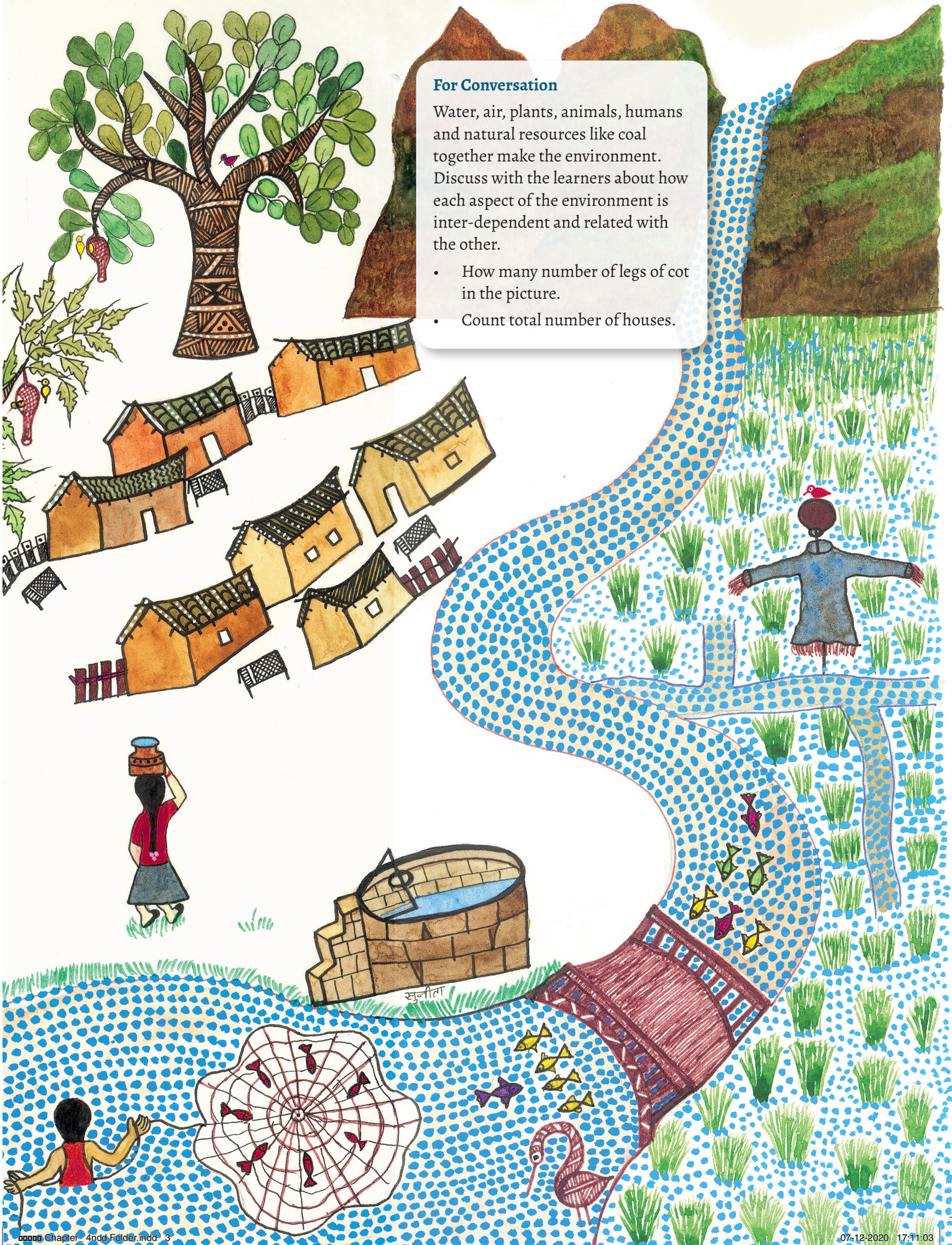

For Conversation

Water, air, plants, animals, humans and natural resources like coal together make the environment. Discuss with the learners about how each aspect of the environment is inter-dependent and related with the other.

- How many number of legs of cot in the picture.
- Count total number of houses.

4 पर्यावरण

आप सीखेंगे

ए | ऐ | ज | ज़ | भ | श | ष | ड | ड़ | ं | ँ

- 1 से 100 तक की संख्या पढ़ना और लिखना
- समूहों में गिनना
- 1 से 50 तक जोड़ व घटा करना (पुनर्समूहन के साथ)
- 51 से 100 तक जोड़ व घटा करना (बिना पुनर्समूहन के)

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

जंगल

कुआँ

पेड़

जीव-जंतु

कोयला

झरना

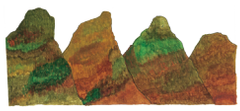

पहाड़

वायु प्रदूषण

बारिश

शिक्षक-निर्देश— ऊपर दिए गए शब्द और चित्र पर्यावरण की विषय-वस्तु से जुड़े हुए हैं। शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उन्हें चित्र के आधार पर अनुमान लगाने के अलावा उनके बढ़ते शब्द और अक्षर ज्ञान का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें।

For the Facilitator: The words given above are related to the theme of Environment. Help the learners to read the word. Encourage them to use their increasing understanding of words and letters in addition to prediction based on the picture given above.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 4 07-12-2020 17:11:05

पढ़िए और लिखिए

ए

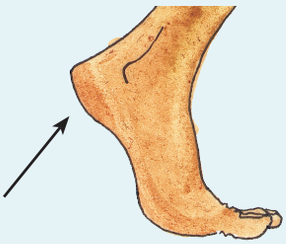

एड़ी

1

एक

मैंने एटीएम से पैसे निकाले।

ऐ

ऐलान ऐसा

ऐनक पहनकर अब मैं पढ़ पाती हूँ।

शिक्षक-निर्देश— चित्र देखकर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह पर चित्र का नाम लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words with the help of pictures. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 5 07-12-2020 17:11:06

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ज

जड़

जादूगर

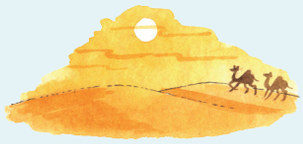

जैसलमेर का रेगिस्तान बेहद खूबसूरत है।

ज़

आवाज़ सज़ा ज़माना

जल	ज़मीन	जैसा	जोतना	सब्ज़ी	जौ
जेब	बाजे	जितना	जीत	जिला	जोखिम

ज ज

ज़ ज़

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

शिक्षक-निर्देश— शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह पर चित्र का नाम लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 6 07-12-2020 17:11:09

पढ़िए और अक्षर लिखिए

भ

भेड़िये झुंड में रहते हैं।

भत्ता लाभ

भोर	भिंडी	भात	भादो	भेंट
भोजन	भौंकना	भिड़ना	भिगोना	भील
सभी	भाड़ा	भीनी	अभी	भाला

भ भ

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

Chapter_ 4ndd Folder.indd 7 07-12-2020 17:11:10

पढ़िए और अक्षर लिखिए

श

शरारत

नाश

दूल्हे ने बड़े शौक से नई
शेरवानी सिलवाई।

शक	शेर	शैतानी	शोर	शोला
शोभा	शौकीन	शिकायत	शिमला	आशा
शीशा	काशी	शामियाना	कोशिश	शाला

श श

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

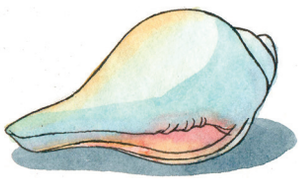

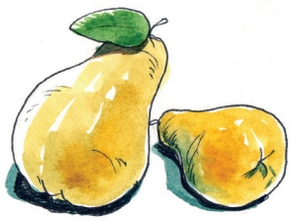

Chapter_ 4ndd Folder.indd 8 07-12-2020 17:11:12

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ष

कोष भाषा दोषी

मैं कोरकू भाषा बोलती
और लिखती हूँ।

ष ष

ड

डिबरी बत्ती की रोशनी में हमने रात का खाना खाया।

डकार	लाडली	डेरा	डील-डौल	डीज़ल
डैना	डोरी	डोलना	डुबकी	डूबना
डिपो	डिब्बा	डागर	डराना	निडर

ड ड

Chapter_ 4ndd Folder.indd 9 07-12-2020 17:11:13

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ड़

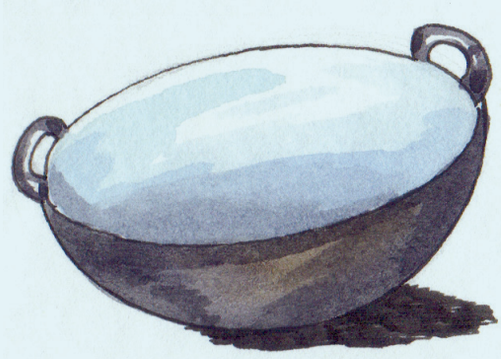

हलवाई की कढ़ाही मँजकर चमक गई।

भेड़	गड़बड़	भाड़ा	पकौड़ी	साड़ी
जोड़े	कोड़े	तोड़ो	खड़ा	छड़ी
जोड़ो	खड़िया	बड़ा	लड़ाई	पड़ा

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

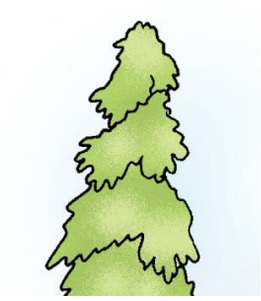

Chapter_ 4ndd Folder.indd 10 07-12-2020 17:11:14

■ शब्द पढ़िए

आपके आस-पास इनमें से क्या-क्या है ? खाली बॉक्स ☐ में सही का निशान (✓) लगाइए

☐ केले का पेड़

☐ बगीचा

☐ पोखर

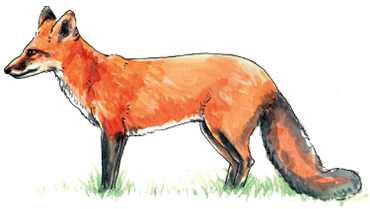

☐ लोमड़ी

☐ नेवला

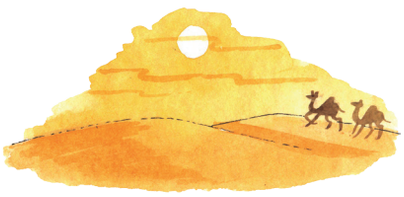

☐ रेगिस्तान

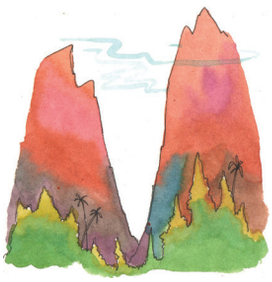

☐ खाई

☐ झरना

Chapter_ 4ndd Folder.indd 11 07-12-2020 17:11:17

पढ़िए और बातचीत कीजिए

सुखोमाजरी गाँव की कहानी

एक समय था जब सुखोमाजरी भारत के दूसरे गाँवों जैसा ही था। जंगल काट दिए गए थे। कुओं और पंपों में पानी नहीं था। नदियों का पानी बेहद मटमैला हो गया था। पर 1970 में, सुखोमाजरी का हुलिया बदल गया। सुखोमाजरी के बिगड़े हालात कैसे सुधरे?

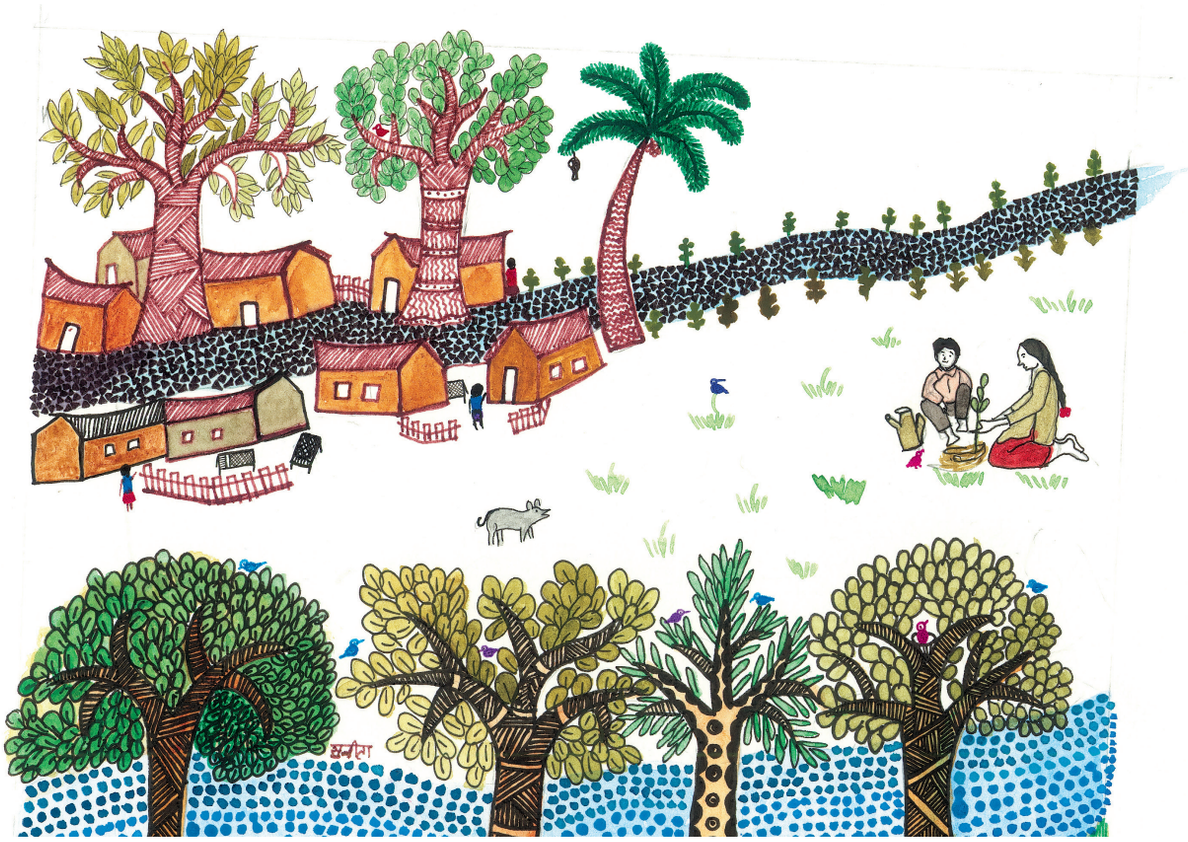

सुखोमाजरी में ग्राम सभा बनी। ग्राम सभा ने मिलजुल कर फैसला लिया कि उन्हें सबसे पहले जंगलों को बचाना है। बारिश के पानी को जमा करने के लिए सिंचाई टैंक बनाया। सिंचाई टैंक के चारों तरफ़ पेड़ लगाए। इस काम में बच्चों ने भी साथ दिया। काम आसान नहीं था। पर पाँच वर्ष में सुखोमाजरी एक हरा-भरा खुशहाल गाँव बन गया।

शिक्षक-निर्देश— ऊपर दी गई कहानी शिक्षार्थियों को पढ़कर सुनाएँ।

For the Facilitator: Read aloud the text to learners.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 12 07-12-2020 17:11:18

■ आपके गाँव में पानी

प्रश्न 1. अपने गाँव का नाम लिखिए।

प्रश्न 2. आपके घर में इस्तेमाल के लिए पानी कहाँ-कहाँ से आता है? जवाब लिखने के लिए नीचे दिए गए शब्दों की मदद ले सकते हैं।

नल	पंप	तालाब	नदी	कुआँ	टंकी	बोतल का पानी

प्रश्न 3. घर में इस्तेमाल का पानी किन में भरकर रखते हैं? अपना जवाब लिखने के लिए इन शब्दों की मदद ले सकते हैं।

लोटा	घड़ा	बालटी	टंकी	बोतल	टब	केन

प्रश्न 4. क्या आपके इलाके में पानी की दिक्कत है? आपकी समझ में इस कमी के क्या कारण हैं?

शिक्षक-निर्देश— ऊपर दिए गए प्रश्नों पर बातचीत करें और शिक्षार्थियों को जवाब लिखने में मदद करें।

For the Facilitator: Discuss the questions given above with the learners. Support the learners in writing the answers.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 13 07-12-2020 17:11:18

चर्चा के लिए

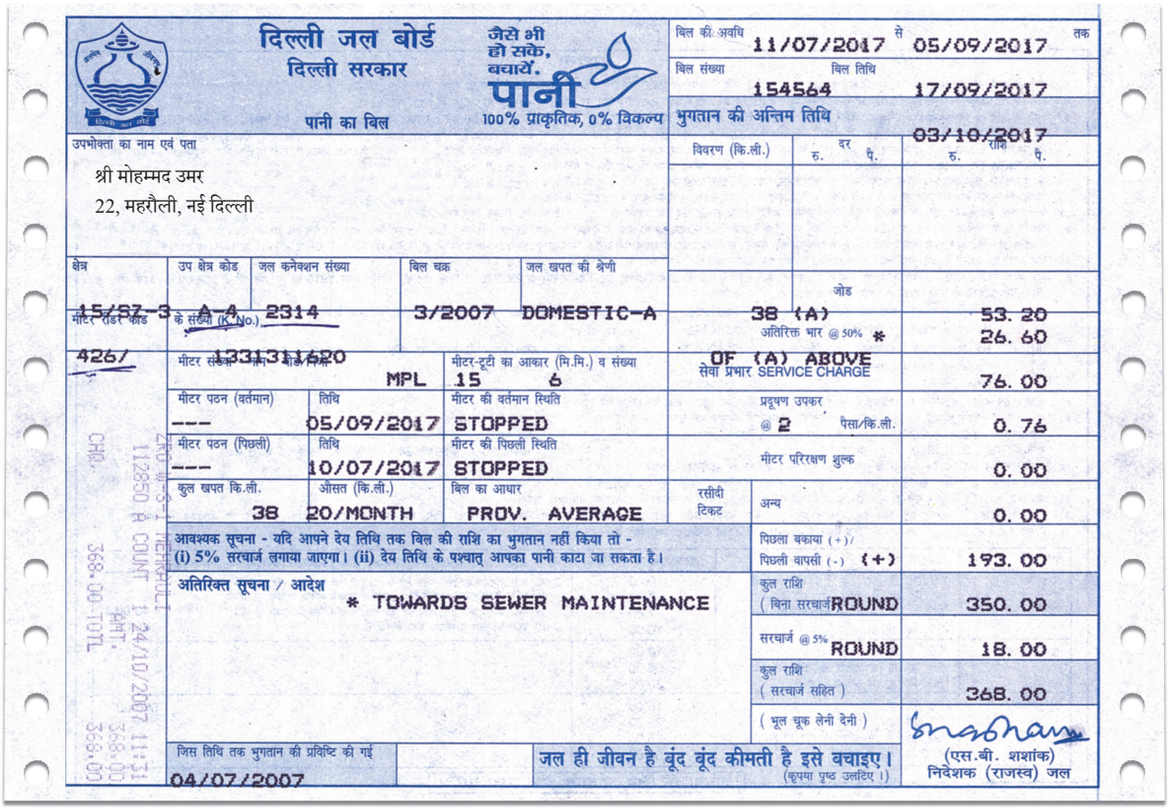

दिल्ली जल बोर्ड
दिल्ली सरकार
पानी का बिल
जैसे भी हो सके, बचाएँ। पानी
100% प्राकृतिक, 0% विकल्प

बिल की अवधि 11/07/2017 से 05/09/2017 तक
बिल संख्या 154564 बिल तिथि 17/09/2017
भुगतान की अन्तिम तिथि 03/10/2017

उपभोक्ता का नाम एवं पता
श्री मोहम्मद उमर
22, महरौली, नई दिल्ली

क्षेत्र	उप क्षेत्र कोड	जल कनेक्शन संख्या	बिल चक्र	जल खपत की श्रेणी
15/SZ-3	A-4	2314	3/2007	DOMESTIC-A

मीटर रीडर कोड 4267
के संख्या (K No.)
मीटर संख्या 13313114620 MPL
मीटर-टूटी का आकार (मि.मि.) व संख्या 15 6

मीटर पठन (वर्तमान)	तिथि	मीटर की वर्तमान स्थिति
---	05/09/2017	STOPPED

मीटर पठन (पिछली)	तिथि	मीटर की पिछली स्थिति
---	10/07/2017	STOPPED

कुल खपत कि.ली.	औसत (कि.ली.)	बिल का आधार
38	20/MONTH	PROV. AVERAGE

विवरण (कि.ली.)	दर रु. पै.	राशि रु. पै.
जोड़ 38 (A)		53. 20
अतिरिक्त भार @ 50% *		26. 60
सेवा प्रभार SERVICE CHARGE OF (A) ABOVE		76. 00
प्रदूषण उपकर	@ 2 पैसा/कि.ली.	0. 76
मीटर परिरक्षण शुल्क		0. 00
रसीदी टिकट / अन्य		0. 00
पिछला बकाया (+)/ पिछली वापसी (-) (+)		193. 00
कुल राशि (बिना सरचार्ज) ROUND		350. 00
सरचार्ज @ 5% ROUND		18. 00
कुल राशि (सरचार्ज सहित)		368. 00
(भूल चूक लेनी देनी)		

आवश्यक सूचना - यदि आपने देय तिथि तक बिल की राशि का भुगतान नहीं किया तो -
(i) 5% सरचार्ज लगाया जाएगा। (ii) देय तिथि के पश्चात् आपका पानी काटा जा सकता है।

अतिरिक्त सूचना / आदेश
* TOWARDS SEWER MAINTENANCE

जिस तिथि तक भुगतान की प्रविष्टि की गई
04/07/2007

जल ही जीवन है बूंद बूंद कीमती है इसे बचाइए।
(कृपया पृष्ठ उलटिए।)

(एस.बी. शशांक)
निदेशक (राजस्व) जल

दिल्ली के महरौली इलाके में एक मकान का यह बिल है।

बिल को देखिए। बिल में गोला लगाकर अपना जवाब बताइए

प्रश्न 1. बिल के किन हिस्सों को देखकर पता चलता है कि यह पानी का बिल है?

प्रश्न 2. यह बिल किस जगह का है?

प्रश्न 3. बिल किस व्यक्ति के नाम पर आया है?

प्रश्न 4. पैसा जमा करने की आखिरी तारीख क्या है?

प्रश्न 5. बिल में पानी बचाने की बात कहाँ लिखी हुई है?

प्रश्न 6. पानी का यह बिल कितने दिन का है?

शिक्षक-निर्देश— ऊपर दिए गए प्रश्नों पर शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करें। बिल में जवाब के लिए गोला लगवाएँ।

For the Facilitator: Discuss the questions given above with the learners. Ask the learners to encircle their answers in the bill given above.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 14 07-12-2020 17:11:19

■ **फूलों की माला बनाने में राजू अपनी माँ की सहायता कर रहा था। वह एक-एक करके फूल अपनी माँ को देता एवं संख्या बोलता। आप भी 51 से 100 तक संख्या पढ़िए और बोलिए**

50 + 1=51	पाँच दहाई	+	एक इकाई	=	**51 इक्यावन**
50 + 2=52	पाँच दहाई	+	दो इकाई	=	**52 बावन**
50 + 3=53	पाँच दहाई	+	तीन इकाई	=	**53 तिरेपन**
50 + 4=54	पाँच दहाई	+	चार इकाई	=	**54 चौवन**
50 + 5=55	पाँच दहाई	+	पाँच इकाई	=	**55 पचपन**

Chapter_ 4ndd Folder.indd 15 07-12-2020 17:11:23

50 + 6=56	पाँच दहाई	+	छह इकाई	=	**56 छप्पन**
50 + 7=57	पाँच दहाई	+	सात इकाई	=	**57 सत्तावन**
50 + 8=58	पाँच दहाई	+	आठ इकाई	=	**58 अट्ठावन**
50 + 9=59	पाँच दहाई	+	नौ इकाई	=	**59 उनसठ**
50 +10=60	पाँच दहाई	+	एक दहाई	=	**60 साठ**

इसी प्रकार 100 तक संख्या आगे बढ़ाएँ।

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे बड़ी संख्याओं को समझने के लिए इकाई तथा दहाई का इस्तेमाल करें।

For the Facilitator: Encourage the learners to use their understanding of ones and tens while dealing with large numbers.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 16 07-12-2020 17:11:26

■ खाली स्थानों को सही क्रम संख्या लिखकर भरिए

51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
	62			65				69	
		73							80
			84				88		
		93		95				99	

■ गिनकर पेड़ों की संख्या लिखिए

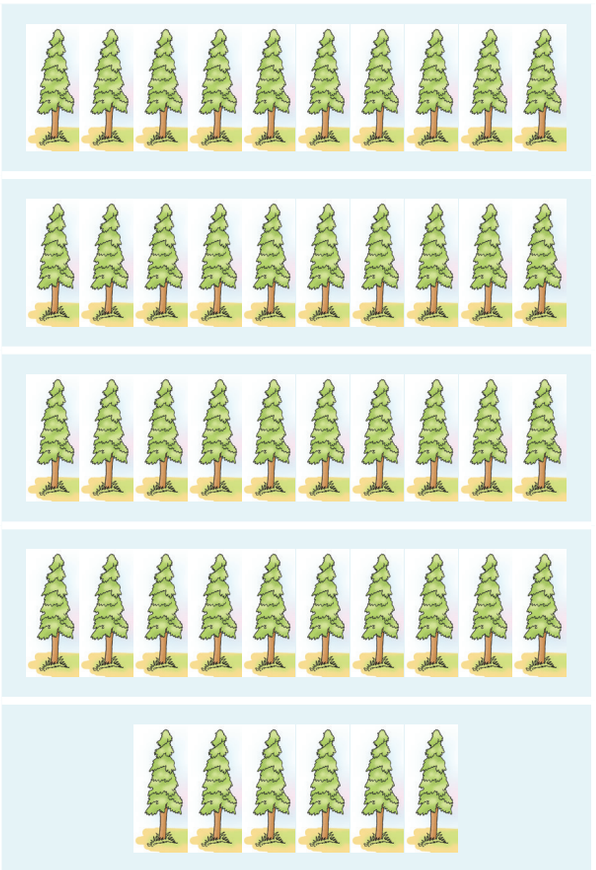

दहाई इकाई

= ☐ + ☐

संख्या .....

Chapter_ 4ndd Folder.indd 17 07-12-2020 17:11:28

■ बताइए ₹68 व ₹78 में से कौन-सा बड़ा है और क्यों?

, से बड़ा है क्योंकि

■ एक मोहल्ले के पाँच घरों से प्रतिदिन नीचे लिखे अनुसार कूड़ा निकलता है—

घर	कूड़ा
आमिर का घर	12 किलोग्राम
पीयूष का घर	14 किलोग्राम
सुरेश का घर	11 किलोग्राम
रमेश का घर	15 किलोग्राम
अविनाश का घर	13 किलोग्राम

दी गई सारणी के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें—

- आमिर व रमेश के घर से कुल कितना कूड़ा निकलता है?
- किस के घर से सबसे ज़्यादा कूड़ा निकलता है?
- किस के घर से सबसे कम कूड़ा निकलता है?

■ राधा ने गुलाब का एक पौधा ₹13 का लिया और गेंदे का एक पौधा ₹18 का लिया तो राधा ने कुल कितने रुपये खर्च किए?

गुलाब के पौधे का मूल्य ₹13		
गेंदे के पौधे का मूल्य ₹18		
राधा का कुल खर्च		₹

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे विभिन्न संख्याओं की तुलना करें और तुलना करने के लिए विभिन्न तरीके खोजें।

For the Facilitator: Encourage the learners to compare different numbers and formulate their strategies for comparison. Provide opportunities to the learners where they themselves formulated various strategies to compare different numbers.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 18 07-12-2020 17:11:29

■ अगर राधा के पास ₹40 है और उसे गेंदे का एक और पौधा लेना है तो एक पौधा और लेने के बाद राधा के पास कितने रुपए बचेंगे?

राधा के पास ₹40 है		
गेंदे के पौधे का मूल्य ₹18 है।		
राधा के पास ₹ ____ बचे		

■ पर्यावरण दिवस के दिन एक गाँव की संस्थाओं द्वारा खरीदे गए पौधों की संख्या तालिका में दर्शायी गयी है, तालिका देखकर बताइए

संस्था	पौधे
स्कूल	24
अस्पताल	30
सरकारी संस्था	20
गैर-सरकारी संस्था	19

- सबसे ज़्यादा पौधे किस संस्था ने खरीदे?
- सबसे कम पौधे किस संस्था ने खरीदे?
- स्कूल व गैर-सरकारी संस्था ने कुल कितने पौधे खरीदे?
- अस्पताल ने स्कूल से कितने ज़्यादा पौधे खरीदे?

■ पीने के पानी के टैंक में 95 बालटी पानी आता है। तो बताइए

- यदि कुल 21 बालटी पानी निकाला है, तो कितने बाल्टी पानी और निकाला जा सकता है?
- यदि 35 बालटी पानी टैंक में बचा है तो कितने बालटी पानी टैंक से निकाला जा चुका है?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को विभिन्न संदर्भों में जोड़ व घटाव के उदाहरण दें जहाँ वह संख्याओं का पुनर्समूहन करें।

For the Facilitator: Provide the learners with different contexts of addition and subtraction where they need to regroup numbers.

Chapter_ 4ndd Folder.indd 19 07-12-2020 17:11:29

■ मिलकर पढ़िए

दानी पेड़

एक पेड़ था।
वह एक छोटे लड़के को बहुत प्यार करता था।
हर रोज़ लड़का उसके पास आता और पेड़ के पत्ते इकट्ठे करता था।
वह पेड़ के तने पर चढ़ता और उसकी शाखों से झूलता। फिर पेड़ और लड़का साथ-साथ लुका–छिपी खेलते।
और जब वह थक जाता तो वह पेड़ की छाँव में सो जाता।
लड़का भी पेड़ से बहुत प्यार करता था।
पेड़ बहुत खुश था।
पर समय बीतता गया।
और लड़का बड़ा हो गया।
अब पेड़ अपने आप को अकेला महसूस करने लगा।

एक दिन जब लड़का पेड़ के पास आया तो पेड़ ने कहा, "बेटा आओ मेरे तने पर चढ़ो और मेरी डालों से झूलो। मेरी छाँव में खेलो और खुश रहो।"

Chapter_ 4ndd Folder.indd 20 07-12-2020 17:11:30

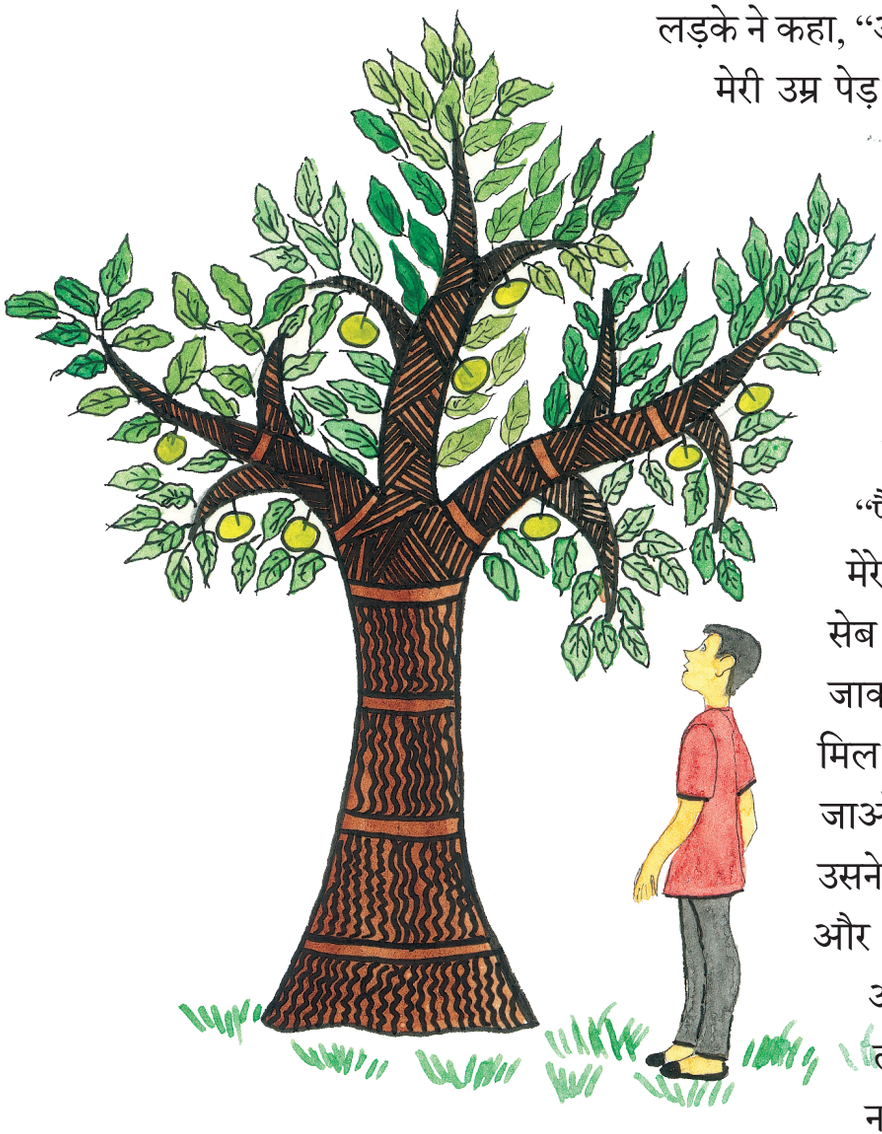

लड़के ने कहा, "अब मैं बड़ा हो गया हूँ। अब मेरी उम्र पेड़ पर चढ़ने और खेलने की नहीं रह गई है। मैं अब चीज़ें खरीद कर मज़ा करना चाहता हूँ। मुझे कुछ पैसे चाहिए। क्या तुम मुझे कुछ पैसे दे सकते हो?" पेड़ ने कहा, "पैसे तो मेरे पास हैं नहीं। मेरे पास केवल सेब हैं। मेरे सेब तोड़ लो और इन्हें शहर में जाकर बेच दो। इससे तुम्हें पैसे मिल जाएँगे और तुम खुश हो जाओगे।" लड़का पेड़ पर चढ़ा। उसने फल तोड़कर इकट्ठे किए और उन्हें बाज़ार ले गया। पेड़ अब भी खुश था। फिर वह लड़का बहुत दिनों तक नहीं आया। पेड़ दुखी हुआ।

फिर जब एक दिन लड़का वापस आया तो पेड़ ने खुशी से कहा, "आओ मेरे तने पर चढ़ो, मेरी डालों से झूलो और खुश रहो।" लड़के ने कहा, "अब मुझे पेड़ों पर चढ़ने की फ़ुर्सत नहीं है। मुझे अब पत्नी और बच्चों के लिए घर चाहिए। क्या तुम मुझे एक घर दे सकते हो?"

पेड़ ने कहा, "यह जंगल ही मेरा घर है। पर तुम चाहो तो मेरी शाखें काट कर उनसे घर बना लो।"

लड़के ने पेड़ की शाखें काटीं और उन्हें ले गया अपना घर बनाने। और पेड़ अब भी खुश था। परंतु लड़का बहुत दिनों तक वापस नहीं आया। और जब वह आया तब पेड़ इतना खुश

Chapter_ 4ndd Folder.indd 21 07-12-2020 17:11:30

हुआ कि उससे बोलते ही नहीं बना।

“आओ बेटा”, वह फुसफुसाया, “आओ और खेलो।”

“मैं बहुत दुखी हूँ और मेरी उम्र अब खेलने की नहीं रह गई है”, लड़के ने कहा। “मुझे एक नाव चाहिए जो मुझे सात समुद्र पार ले जाए। क्या तुम मुझे एक नाव दे सकते हो?”

Chapter_ 4ndd Folder.indd 22 07-12-2020 17:11:32

“मेरा तना काट कर तुम एक नाव बना लो,” पेड़ ने कहा।
“तब तुम समुद्र पार कर सकते हो। तुम्हें इससे खुशी मिलेगी।”
तब लड़के ने पेड़ का तना काटा और उसकी नाव बनाकर समुद्र पार गया। पेड़ अब भी खुश था।
बहुत सालों बाद लड़का फिर वापस आया। “माफ़ करना बेटा,” पेड़ ने कहा, “अब मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। मेरे सेब नहीं बचे हैं।”
“मेरे दाँत इतने कमज़ोर हैं कि मैं उनसे सेब चबा ही नहीं सकता,” लड़के ने कहा। “मेरी शाखें भी अब नहीं रहीं, जिन पर तुम झूल सकों।” पेड़ ने कहा
“मैं बहुत बूढ़ा हो गया हूँ और शाखों से झूल नहीं सकता,” लड़के ने कहा।
“मेरा तना भी नहीं रहा,” पेड़ ने कहा, “जिस पर तुम चढ़ सको।”
“मैं बहुत थका हूँ। तने पर चढ़ने की ताकत मुझमें नहीं है,” लड़के ने कहा।
“मैं तुम्हें कुछ देना चाहता था। परंतु अब मेरे पास कुछ बचा ही नहीं है। मेरे पास सिर्फ़ एक ठूँठ बचा है। मुझे माफ़ करना।”
“मुझे अब ज़्यादा कुछ चाहिए भी नहीं। सिर्फ़ एक शांत जगह चाहिए बैठने और सुस्ताने के लिए। मैं बहुत थका हुआ हूँ।” लड़के ने कहा
“फिर क्या,” पेड़ ने कहा, “आओ बेटा। मेरे ठूँठ पर बैठो और आराम करो।”
और लड़का ठूँठ पर बैठ गया। पेड़ अब फिर बहुत खुश हुआ।

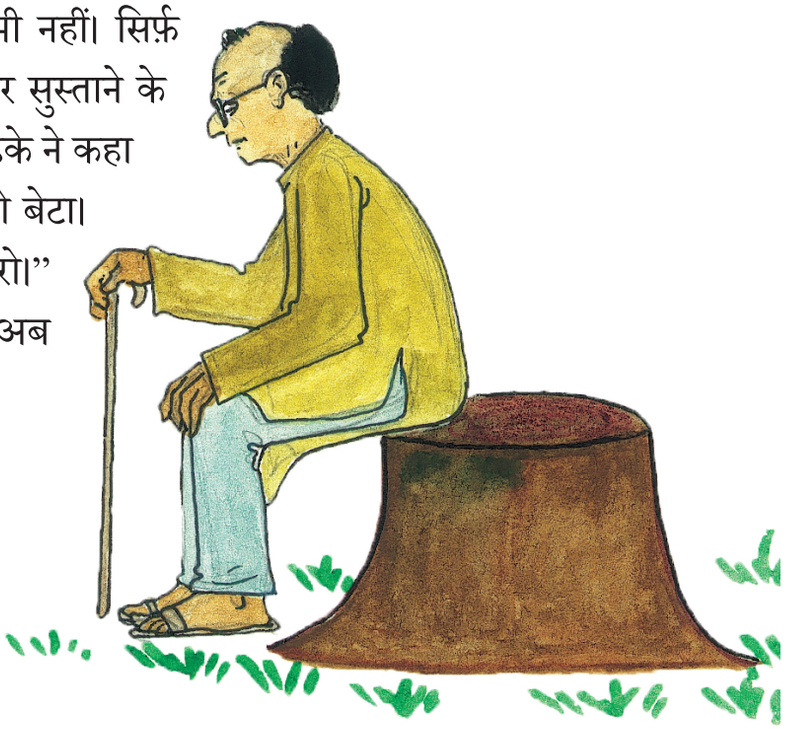

स्रोत— शेल सिल्वरस्टाइन (दानी पेड़)

Chapter_ 4ndd Folder.indd 23 07-12-2020 17:11:32

5 स्वास्थ्य और स्वच्छता

आप सीखेंगे

उ ऊ ह छ थ फ फ़ ठ

- 1000 तक की संख्या पहचानना, पढ़ना और लिखना
- इकाई, दहाई और सैकड़े के समूहों में गिनना। (स्थानीय मान)
- एक अंकीय संख्याओं का गुणा करना

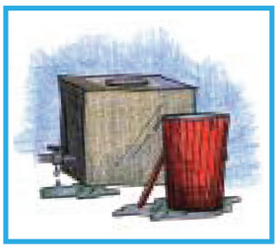

क्या आप मच्छरों को दावत दे रहे हैं?

सावधान!

मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया हो सकता है!

आस-पास पानी इकट्ठा जमा न होने दें। गड्ढों को भर दें।
पानी के बरतन, टंकी, कूलर को साफ़ रखें। हर हफ़्ते सुखाएँ।
मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।
गड्ढों में भरे पानी में मिट्टी का तेल छिड़कें।

बातचीत के लिए

1. क्या आपने ऐसा पोस्टर कहीं लगा हुआ देखा है?
2. इस पोस्टर में किन बातों पर ध्यान दिलाने की कोशिश की गई है?
3. ऐसे पोस्टर कौन लगाता होगा? अखबारों में इस तरह के पोस्टर कौन देता होगा?
4. आपके आस-पास कितने व्यक्ति डेंगू से पीड़ित हुए? पता लगाओ।

For Conversation

1. Have you seen such a poster anywhere?
2. On what topics is the poster trying to draw your attention to?
3. Who puts such posters up? Who gives such posters in the newspapers?
4. Find out how many people are suffered from Dengue in your area?

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

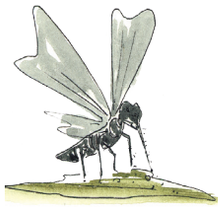

मच्छर

फल

साफ़ हाथ

कूड़ा

दूध

दवाइयाँ

सफ़ाई करना

कूड़ेदान

साबुन

शिक्षक-निर्देश— ऊपर दिए गए शब्द और चित्र स्वास्थ्य और स्वच्छता की विषय-वस्तु से जुड़े हुए हैं। शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उन्हें चित्र के आधार पर अनुमान लगानें के अलावा उनके बढ़ते शब्द और अक्षर ज्ञान का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें।

For the Facilitator: The picture and word given above the bring the learners' attention to the theme of Health and Hygiene. Support the learners in reading the words. Encourage them to use their expanding knowledge of words and letters along with cues from the pictures.

Chapter_5 ndd Folder.indd 25 07-12-2020 17:11:22

1. नीचे पोस्टर में से कुछ शब्द दिए गए हैं।

मलेरिया	डेंगू	चिकनगुनिया

ये किसके नाम हैं? सही का (✓) निशान लगाइए।

- दवाई के
- मच्छरों के
- बीमारी के

2. नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं। इनमें से कहाँ-कहाँ मच्छर अंडे दे सकते हैं?

में सही का (✓) निशान लगाइए।

गमले

कूलर

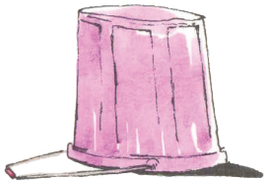

उलटी बालटी

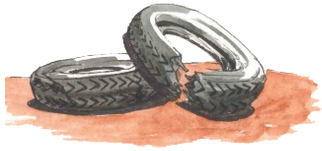

टूटे टायर

झूले

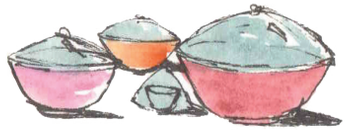

बंद बर्तन

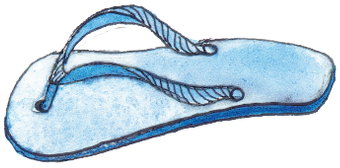

चप्पल

पानी भरे जूते

Chapter_5 ndd Folder.indd 26 07-12-2020 17:11:23

पढ़िए और अक्षर लिखिए

उ

कृपया उधार माँगकर
शर्मिंदा न करें।

आज नकद
कल उधार

उलझना

उपला	उस्तरा	उलझन	उलटना	उपयोग
उसका	उफ़ान	उर्स	उपयोग	उतरना

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

49

शिक्षक-निर्देश— शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह पर चित्र का नाम लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

Chapter_5 ndd Folder.indd 27 07-12-2020 17:11:24

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ऊ

कुछ ऊँट ऊँचा, कुछ पूँछ ऊँची, कुछ ऊँचे ऊँट की पीठ ऊँची।

ऊँचा	ऊसर	ऊँचा	ऊदबिलाव	ऊधम
ऊपर	खाऊँगी	जाऊँगा	ऊँघना	खाऊँगा

ऊ ऊ

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

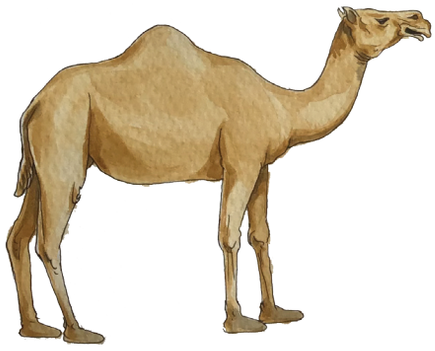

Chapter_5 ndd Folder.indd 28 07-12-2020 17:11:25

■ पढ़िए और अक्षर लिखिए

ह

होली के दिन रंगों से रंग मिल जाते हैं।

शहर	जगह	महीना	कहो	हौंसला
हेरा-फेरी	मशहूर	हैज़ा	हैसियत	हुदहुद
हुनर	हैरत	हौदी	होशियार	कोल्हू
गवाही	हकीम	शौहर	हैरानी	राही

■ चित्र देखिए और शब्द लिखिए

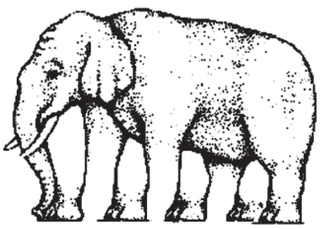
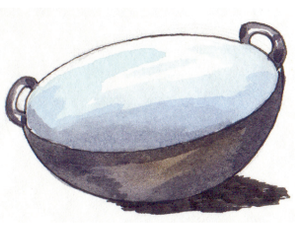

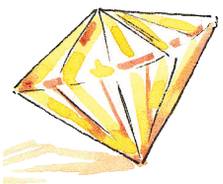

Chapter_5 ndd Folder.indd 29 07-12-2020 17:11:26

पढ़िए और अक्षर लिखिए

छ

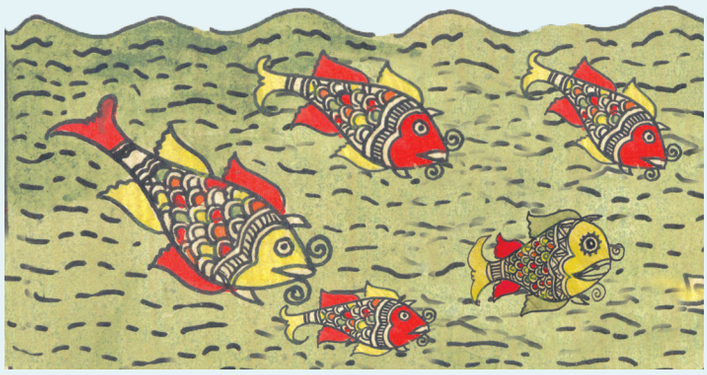

मछुआरे के जाल में सुनहरी मछलियाँ फँस गईं।

छत	बछड़ा	बिछौना	छूना	छाप
गमछा	छिलका	छुटकू	छीलना	बछिया
पंछी	छुरी	छुआरा	छींकना	छोले
छेद	छौंकना	छुपना	छीनना	छोले

छ छ

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

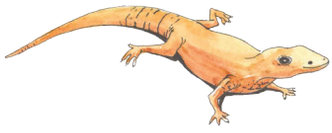

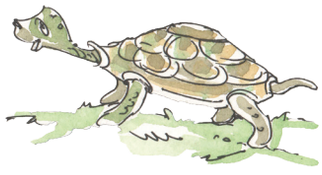

Chapter_5 ndd Folder.indd 30 07-12-2020 17:11:27

पढ़िए और अक्षर लिखिए

थ

चलो, फ़िल्म देखने थियेटर चलते हैं।

थमना	थकान	हाथ	थाली	थानेदार
कत्था	थिरकना	बथुआ	हथियार	थोक
थोड़ा	कथा	थैली	थापना	मथुरा

थ थ

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

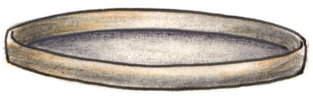

Chapter_5 ndd Folder.indd 31 07-12-2020 17:11:29

पढ़िए और अक्षर लिखिए

फ

अरे! जल्दी चाटो।
कुल्फ़ी पिघल रही है।

फ़

फ़िल्म सफ़ेद कुल्फ़ी फ़रवरी

सफ़ाई	फुलका	फूल	फुर्ती	फ़ुरसत	फ़सल
फेरीवाला	फिरकी	फ़ोटो	फ़ौजी	फ़व्वारा	फिसलना

फ फ

फ़ फ़

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

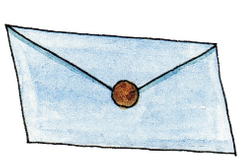
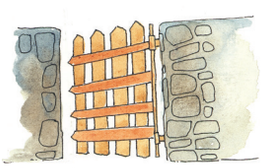

Chapter_5 ndd Folder.indd 32 07-12-2020 17:11:31

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ठ

कठफोड़वा पेड़ के तने पर चोंच मार रहा है।

ठग	काठ	ठाठ	बैठो	ठुमकना
ठूँठ	पठान	ठिठकना	ठूँसना	ठौर-ठिकाना
कठिन	गठरी	ठीक	ठहरना	कठोर
सोंठ	ठोकर	ठेस	बैठना	उठना

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

8 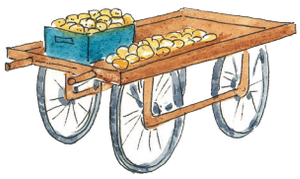 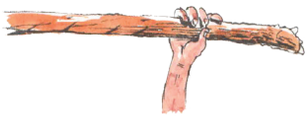 60

Chapter_5 ndd Folder.indd 33 07-12-2020 17:11:32

1. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। हर शब्द में शामिल अक्षरों को पहचानकर शब्द को सही जगह पर लिखिए।

छतरी फल डर ठोकर हम मछली मट्ठा महान डगर छोटी थैला डाली

ह	छ	थ	फ	ड	ठ
	मछली				

2. पोस्टर में दिए गए इन शब्दों में अक्षरों के जोड़े आए हैं। ऐसे जोड़े वाले और शब्द लिखिए।

क.	मच्छर	च्छ	_____
ख.	इकट्ठा	ट्ठा	_____
ग.	गड्ढा	ड्ढा	_____
घ.	मिट्टी	ट्टी	_____
ड़.	हफ़्ता	फ़्त	_____
च.	इस्तेमाल	स्त	_____

मट्ठा	बुड्ढा	पट्टी	सस्ते	अच्छा	रफ़्तार

Chapter_5 ndd Folder.indd 34 07-12-2020 17:11:32

■ पढ़िए और बातचीत कीजिए

मच्छरों से सावधान

जसकीरत– मलेरिया के बारे में एक पोस्टर तो हमारी क्लास के बाहर ही लगा है।

(सभी झटपट पोस्टर देखने पहुँच गए।)

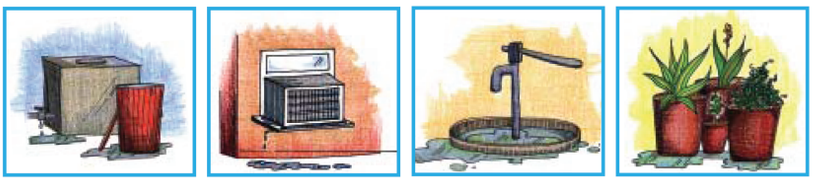

क्या आप मच्छरों को दावत दे रहे हैं?

सावधान!

मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया हो सकता है!

आस-पास पानी इकट्ठा जमा न होने दें। गड्ढों को भर दें।
पानी के बरतन, टंकी, कूलर को साफ़ रखें। हर हफ़्ते सुखाएँ।
मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।
गड्ढों में भरे पानी में मिट्टी का तेल छिड़कें।

रजत – देखो, इस पोस्टर में लारवे के बारे में क्या लिखा है? वे क्या होते हैं?

नैन्सी – मच्छरों के छोटे बच्चे! ये देखने में मच्छर जैसे बिल्कुल नहीं होते।

आरती – तुमने कहाँ देखे?

नैन्सी – हमारे घर के पीछे रखे पुराने घड़े में बहुत दिनों से पानी भरा पड़ा था। उसमें पतले-पतले, छोटे, भूरे से रंग के कीड़े तैरते देखकर मैं हैरान रह गई। मम्मी ने बताया कि मच्छर पानी में अंडे देते हैं, उन्हीं से ये निकले हैं। इन्हें, 'लारवे' कहते हैं।

रजत – फिर तुमने क्या किया?

नैन्सी – पापा ने फ़ौरन ही घड़े का पानी फेंक दिया और घड़ा साफ़ करके, सुखाकर, उल्टा रख दिया।

(आस-पास, कक्षा-5, एन.सी.ई.आर.टी.)

शिक्षक-निर्देश— ऊपर दी गई बातचीत शिक्षार्थियों को पढ़कर सुनाएँ।

For the Facilitator: Read aloud the text to learners.

Chapter_5 ndd Folder.indd 35 07-12-2020 17:11:33

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— 'स्वास्थ्य और स्वच्छता' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थी से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे– 'हैंडपंप' के लिए 'चापाकल' आदि।

For the Facilitator: Conclude the theme *Swasthaya aur Swachhata* through discussion. Write 3-4 words related to this theme by asking the learner. These words can be from their own language also. For example– *Chapakal* for *Handpump* etc.

Chapter_5 ndd Folder.indd 36 07-12-2020 17:11:33

■ कचरे का जीवनकाल

देखिए हम जो कचरा फैलाते हैं, वह कितने समय तक नष्ट नहीं होता—

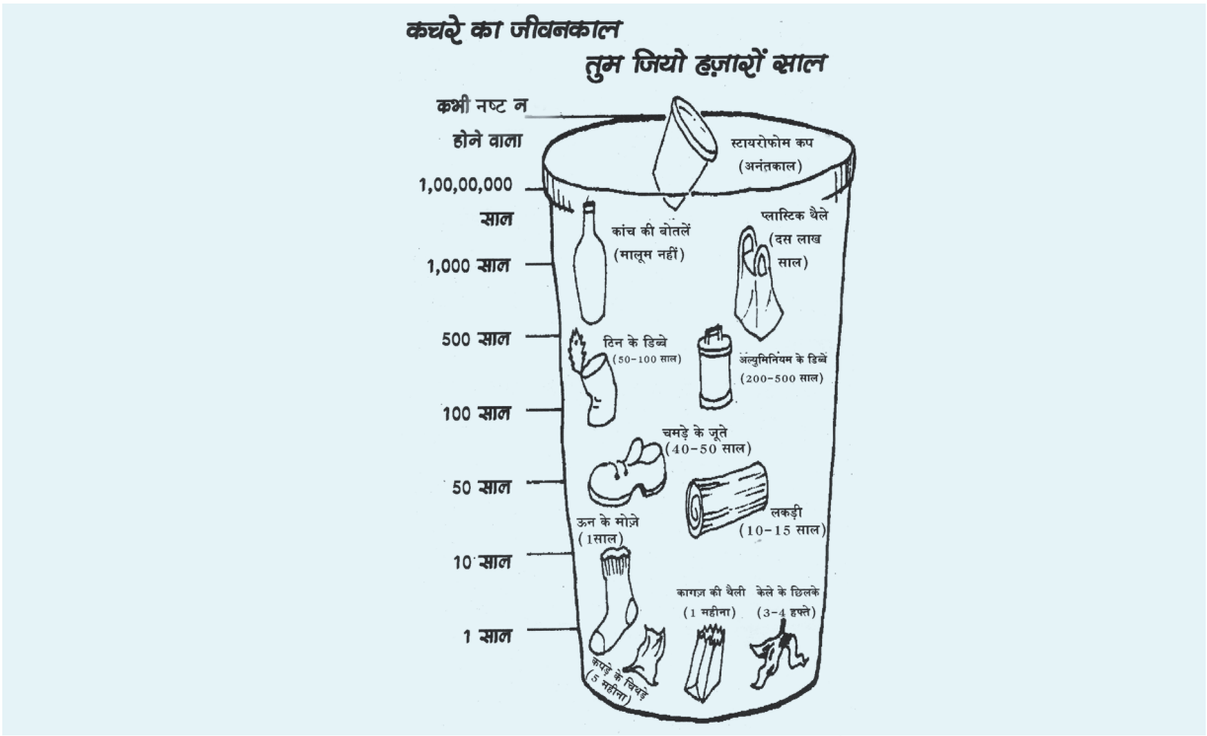

इस चित्र से समझ में आता है कि जल्दी नष्ट न होने वाला कचरा जोकि हमारे घर और मोहल्ले से उठा लिया जाता है, वह आँखों से दूर भले हो जाए, लेकिन प्रकृति को नुकसान पहुँचाता रहता है। इसलिए, उपाय यही है कि हम कूड़ा होने ही न दें।

■ अब बताइए

क. कौन-कौन सी चीज़ें 50 सालों से कम समय में नष्ट हो जाती हैं?
ख. कौन-कौन सी चीज़ें कभी नष्ट नहीं होती?
ग. 'तुम जियो हज़ारों साल' किन-किन चीज़ों के लिए कहा जा सकता है?
घ. कौन-सी चीज़ सबसे कम समय में नष्ट हो जाती हैं?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से इस बात पर चर्चा करें कि कौन-कौन सी चीज़ें हमारी प्रकृति के लिए हानिकारक है।

For the Facilitator: Discuss with the learners about the things that are harmful to our environment.

Chapter_5 ndd Folder.indd 37 07-12-2020 17:11:35

■ पौधारोपण करने पर बच्चों को लड्डू के डिब्बे बाँटे गए। एक डिब्बे में चार लड्डू आ सकते हैं। आइए पता लगाते हैं कि 10 बच्चों को डिब्बे देने हैं तो कितने लड्डू चाहिए?

1 बच्चे को मिलेंगे अर्थात् 1 डिब्बा 4 लड्डूओं का
1 बार 4
1 गुणा 4
या 1× 4 = 4 लड्डू

---

2 बच्चों को मिलेंगे 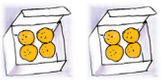 अर्थात् 2 डिब्बे 4 लड्डूओं के
4 + 4
2 बार 4
2 गुणा 4
या 2 × 4 = 8 लड्डू

---

3 बच्चों को मिलेंगे अर्थात् 3 डिब्बे 4 लड्डूओं के
4 + 4 + 4
3 बार 4
3 गुणा 4
या 3 × 4 = 12 लड्डू

---

4 बच्चों को मिलेंगे 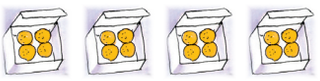 अर्थात् 4 डिब्बे 4 लड्डूओं के
4 + 4 + 4 + 4 = 4 बार 4
या 4 गुणा 4 = 4 × 4 = 16 लड्डू

---

5 बच्चों को मिलेंगे अर्थात् 5 डिब्बे 4 लड्डूओं के
4 + 4 + 4 + 4 + 4 = 5 बार 4
या 5 गुणा 4 = 5 × 4 = 20 लड्डू

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को विभिन्न संदर्भों (जैसे कुर्सी के पैरों की संख्या) का प्रयोग करके 1 अंकीय संख्याओं के गुणन बनाने के लिए प्रेरित करें तथा कॉपी में लिखवाएँ।

For the Facilitator: Encourage the learners to formulate multiplication of different numbers providing variety of contexts and ask them to write in their notebooks.

Chapter_5 ndd Folder.indd 38 07-12-2020 17:11:36

बताओ 7 बच्चों को कितने लड्डू मिलेंगे?

4 + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ = ☐ बार ☐ या

☐ गुणा ☐ = ☐ × ☐ = ☐ लड्डू

10 बच्चों को कितने लड्डू मिलेंगे?

4 + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ = ☐ बार ☐ = ☐ गुणा ☐ = ☐ × ☐ = ☐ लड्डू

- **मोहल्ले से उठा लिए गए कचरे में से कुछ कचरे का दोबारा इस्तेमाल भी संभव है, जैसे— प्लास्टिक, काँच, कागज़ आदि। इसमें कबाड़ीवाले की अहम भूमिका होती है।**

कबाड़ीवाले की रेट लिस्ट

वस्तु	मूल्य (प्रति किलोग्राम)
अखबार	₹ 10
प्लास्टिक	₹ 8
लोहा	₹ 20
कॉपी/किताब	₹ 8
गत्ता/ गत्ते के डिब्बे	₹ 5
काँच	₹ 4

कबाड़ीवाले की रेट लिस्ट देखकर एवं गुणन तथ्य लिखकर बताइए कि—

- 8 किलोग्राम प्लास्टिक बेचने पर कितने रुपये मिलेंगे?
- 7 किलोग्राम अखबार बेचने पर कितने रुपये मिलेंगे?
- 2 किलोग्राम लोहा तथा 8 किलोग्राम गत्ता बेचने पर कितने रुपये मिलेंगे?
- सबसे कम मूल्य किस वस्तु का है?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को विभिन्न संदर्भों में वस्तुएँ खरीदने या बेचने पर मूल्य का हिसाब लगाने के लिए प्रेरित करें तथा संबंधित गुणन तथ्य कॉपी में लिखवाएँ।

For the Facilitator: Encourage learners to calculate the cost of buying and selling things in different contexts and write related multiplication facts in their notebooks.

Chapter_5 ndd Folder.indd 39 07-12-2020 17:11:36

पर्यावरण में पौधों का बहुत महत्व है। पौधे ही बड़े होकर विशाल वृक्ष बनते हैं जो वायु प्रदूषण रोकने में सहायक हैं। पौधे हम स्वयं भी उगा सकते हैं और नर्सरी से भी ला सकते हैं।

नर्सरी की रेट लिस्ट

पौधा	मूल्य (प्रति पौधा)
अमरूद	₹ 10
आम	₹ 20
जामुन	₹ 15
नीम	₹ 12
शीशम	₹ 8

नर्सरी की रेट लिस्ट देखकर एवं गुणन तथ्य लिखकर बताइए कि—

- अमरूद के 10 पौधे लेने पर कितने रुपये खर्च होंगे?
- आम के 10 पौधे लेने पर कितने रुपये खर्च होंगे?
- नीम के 5 पौधे तथा शीशम के 10 पौधे लेने पर कितने रुपये खर्च होंगे?
- सबसे ज़्यादा मूल्य किस पौधे का है?

■ **प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग को कम करने के लिए मालापुर गाँव के निवासियों ने मिलकर यह फैसला किया कि सामान लाने के लिए वे कपड़े के थैले का प्रयोग करेंगे। गाँव में थैले बाँटने के लिए उन्होंने 100-100 थैलों का एक बण्डल बनाया।**

आओ थैले गिनें—

1 बण्डल 100 थैलों का या 1 बार 100 या 1 गुणा 100 या	$1 \times 100 = 100$ थैले
2 बण्डल 100 थैलों का या 2 बार 100 या 2 गुणा 100 या	$2 \times 100 = 200$ थैले
3 बण्डल 100 थैलों का या 3 बार 100 या 3 गुणा 100 या	$3 \times 100 = 300$ थैले

Chapter_5 ndd Folder.indd 40 07-12-2020 17:11:43

	$4 \times 100 = 400$ थैले
	$5 \times 100 = 500$ थैले
	$6 \times 100 = 600$ थैले
	$7 \times 100 = 800$ थैले
	$8 \times 100 = 800$ थैले
	$9 \times 100 = 900$ थैले
	$10 \times 100 = 1000$ थैले

- पंकज ने स्कूल के बच्चों में बाँटने के स्वच्छता संबंधी पोस्टर छपवाए प्रत्येक कक्षा में 30 पोस्टर देने हैं तो 10 कक्षाओं में कुल कितने पोस्टर बाँटे जाएँगे?

- एक गाँव में हर तीन घरों के लिए एक कूड़ादान रखा है। यदि गाँव में 14 कूड़ेदान रखें गए तो कुल कितने घर हैं?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों का 100 से बड़ी संख्याओं से परिचय करवाएँ और बड़ी संख्याओं को स्थानीय मान के अनुसार सैंकड़ों, दहाइयों और इकाइयों के रूप में समझने एवं लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

For the Facilitator: Introduce the learners with the numbers greater than 100 and help them visualise big numbers as groups of 1's, 10's and 100's.

Chapter_5 ndd Folder.indd 41 07-12-2020 17:11:46

- गाँव के मोहल्ले में एक खाद तैयार करने का गड्ढा (कम्पोस्ट पिट) बनवाया गया। 15 परिवारों में से प्रत्येक परिवार ने 3 किलोग्राम सब्ज़ियों/फलों के छिलके/सूखी पत्तियाँ इत्यादि वाला कूड़ा गड्ढों में डाला। कुल कितने किलोग्राम कूड़ा गड्ढे में डाला गया?
- खुले में शौच को रोकने के लिए सरकार ने एक गाँव में 8 शौचालय बनवाए। एक शौचालय बनवाने में करीब 4500 रुपये लगे, तो बताइए ऐसे 8 शौचालय बनवाने में कितना खर्च आया?
- एक ट्रक एक चक्कर में 1000 किलोग्राम कूड़ा डम्पिंग ग्राउड में ले जाता है तो बताइए 5 चक्कर में ट्रक ने कितना कूड़ा डम्पिंग ग्राउड में डाला?

मिलकर पढ़िए

गांधी जी के आश्रम में

कुछ वर्षों तक गांधी ने आश्रम के भंडार का काम सँभालने में मदद दी। सवेरे की प्रार्थना के बाद वे रसोईघर में जाकर सब्ज़ियाँ छीलते थे। रसोईघर या भंडारे में अगर वे कहीं गंदगी या मकड़ी का जाला देख पाते थे तो अपने साथियों को आड़े हाथों लेते। उन्हें सब्ज़ी, फल और अनाज के पौष्टिक गुणों का ज्ञान था। एक बार एक आश्रमवासी ने बिना धोए आलू काट दिए। गांधी ने उसे समझाया कि आलू और नींबू को बिना धोए नहीं काटना चाहिए। एक बार एक आश्रमवासी को कुछ ऐसे केले दिए गए जिसके छिलके पर काले चक्ते पड़ गए थे। उसने बहुत बुरा माना। तब गांधी ने उसे समझाया कि ये जल्दी पच जाते हैं और तुम्हें खासतौर पर इसलिए दिए गए हैं कि तुम्हारा हाज़मा कमज़ोर है। गांधी आश्रमवासियों को अकसर स्वयं ही भोजन परोसते थे। इस कारण वे बेचारे बेस्वाद उबली हुई चीज़ों के विरुद्ध कुछ कह भी नहीं पाते थे।

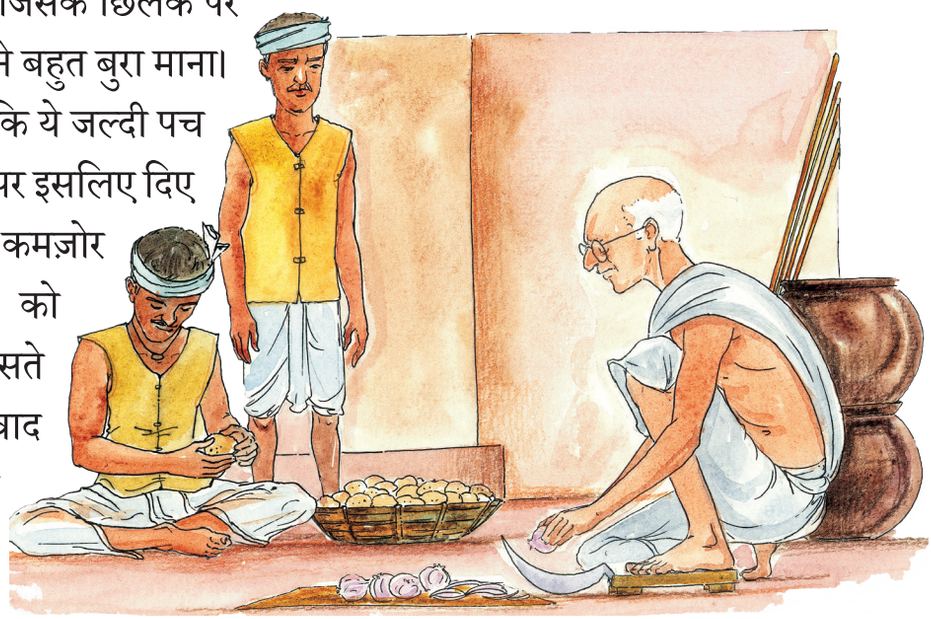

Chapter_5 ndd Folder.indd 42 07-12-2020 17:11:48

दक्षिण अफ़्रीका की एक जेल में वे सैकड़ों कैदियों को दिन में दो बार भोजन परोसने का कार्य कर भी चुके थे।

आश्रम का एक नियम यह था कि सब लोग अपने बरतन खुद साफ़ करें। रसोई के बरतन बारी-बारी से कुछ लोग दल बाँधकर धोते थे। एक दिन गांधी ने बड़े-बड़े पतीलों को खुद साफ़ करने का काम अपने ऊपर लिया। इन पतीलों की पेंदी में खूब कालिख लगी थी। राख भरे हाथों से वह एक पतीले को खूब ज़ोर-ज़ोर से रगड़ने में लगे हुए थे कि तभी कस्तूरबा वहाँ आ गईं। उन्होंने पतीले को पकड़ लिया और बोलीं, "यह काम आपका नहीं है। इसे करने को और बहुत से लोग हैं।" गांधी को लगा कि उनकी बात मान लेने में ही बुद्धिमानी है और वे चुपचाप कस्तूरबा को उन बरतनों की सफ़ाई सौंप कर चले आए। बरतन एकदम चमकते न हों, तब तक गांधी को संतोष नहीं होता था। एक बार जेल में उनको जो मददगार दिया गया था उसके काम से असंतुष्ट होकर उन्होंने बताया था कि वे खुद कैसे लोहे के बरतनों को भी माँजकर चाँदी-सा चमका सकते थे।

**स्रोत— वसंत, कक्षा-6, एन.सी.ई.आर.टी.*

Chapter_5 ndd Folder.indd 43 07-12-2020 17:11:49

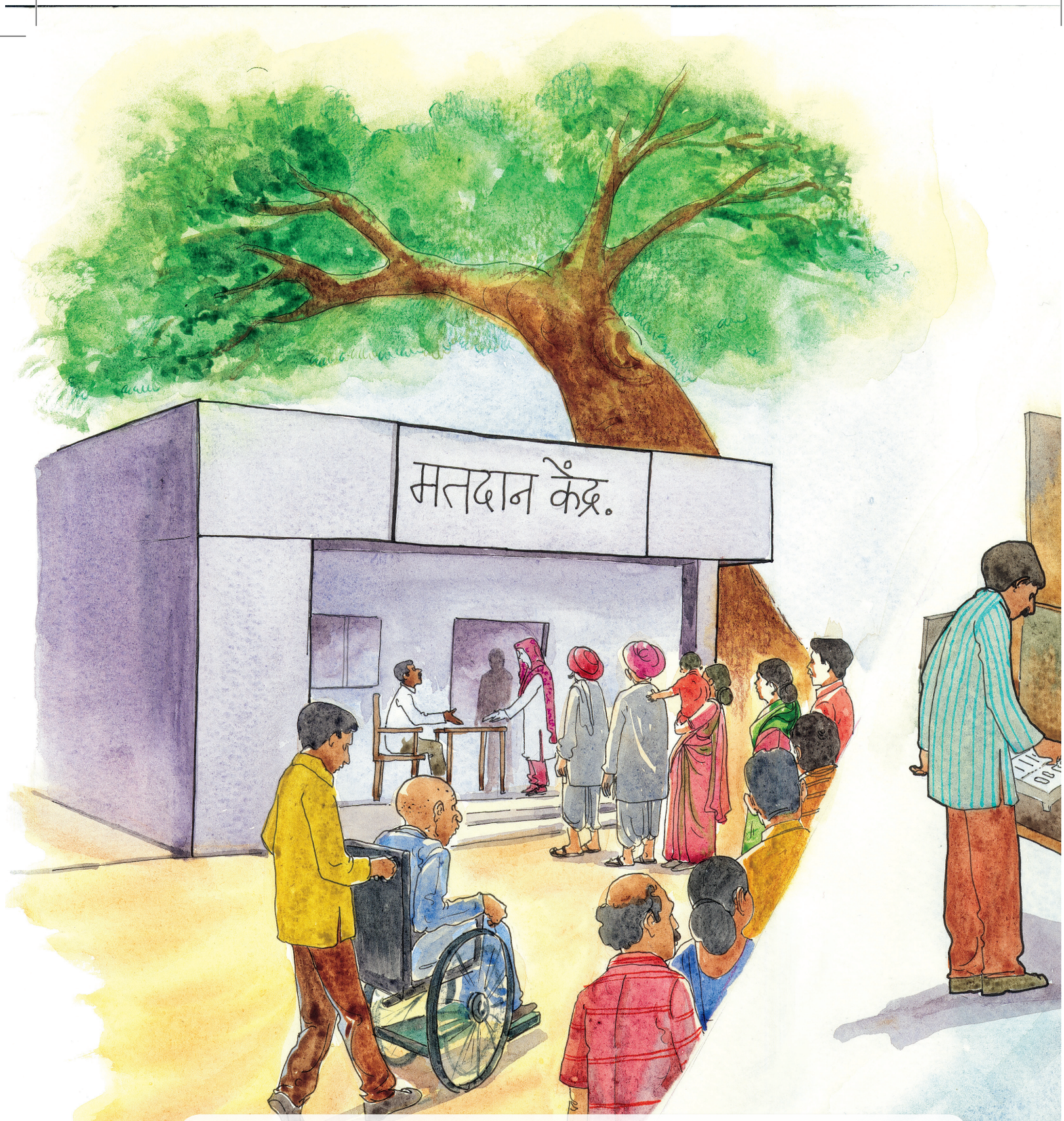

बातचीत के लिए

इस चित्र में लोग वोट देने आए हैं। क्या आपने कभी वोट दिया है? आपने यह कैसे तय किया कि आप किसे वोट देंगे। क्या आपने कभी कोई चुनाव लड़ा है? वोट देने और चुनाव के लिए खड़े होने में क्या फ़र्क है? मतदान केंद्र में लाइन में कुल कितने व्यक्ति खड़े हुए है? चित्र में कितनी महिलाएँ दिखाई दे रही हैं?

Chapter_6 ndd Folder.indd 44 07-12-2020 12:25:05

For Conversation

This picture depicts a day of voting. Have you ever voted? How did you decide who will you vote for? Have you ever been a contender in an election? What is the difference between casting a vote and as a candidate? How many people are standing in line of polling booth? Number of women are showing in the picture?

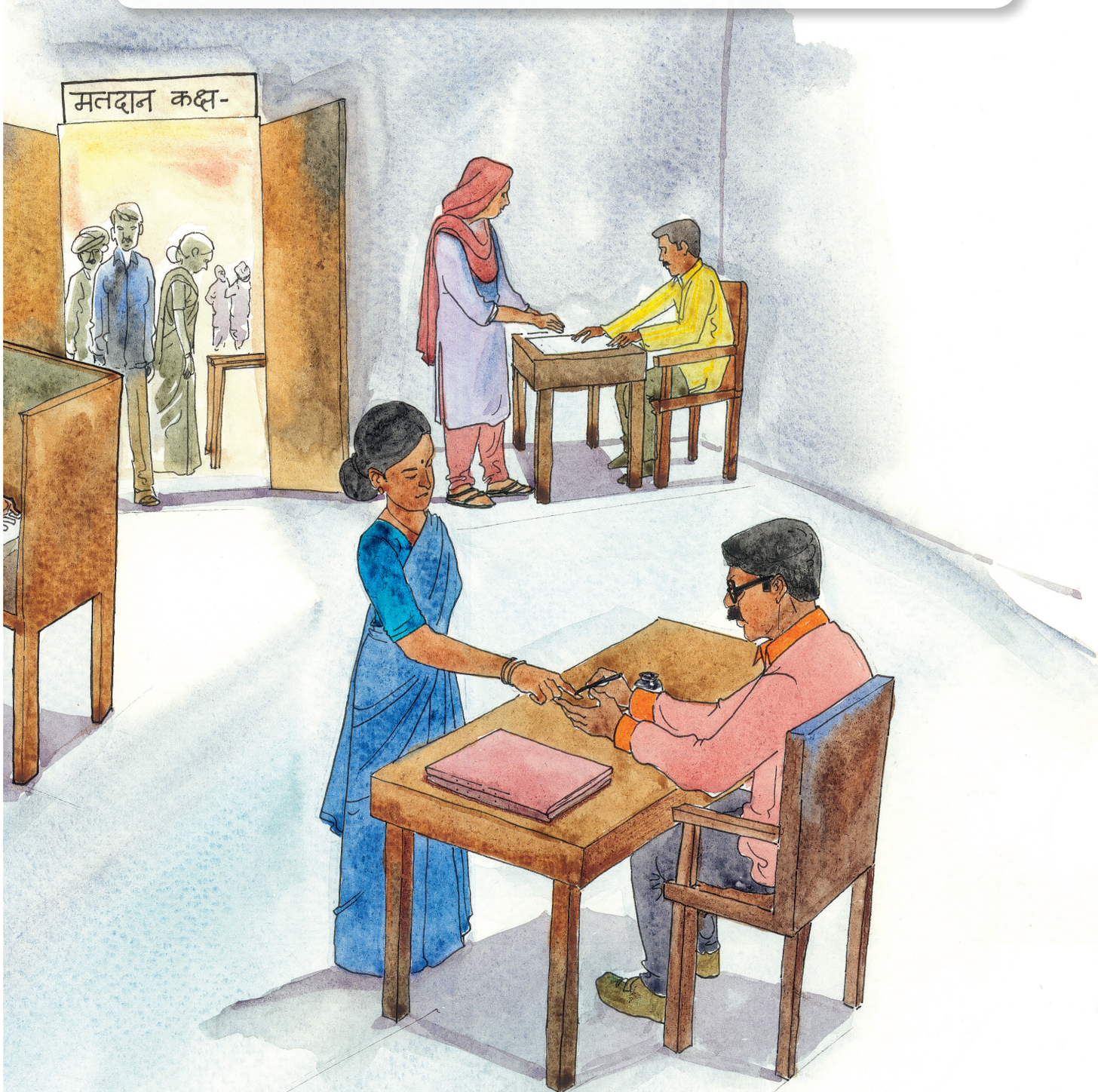

6 मतदान

आप सीखेंगे

क्ष घ ध ढ ढ़

- तीन अंक वाली संख्याओं का जोड़ व घटा करना।
- गुणा के तथ्यों का निर्माण करना।
- लंबाई की माप (सेंटीमीटर, मीटर)।

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

मतदान केंद्र

उम्मीदवार

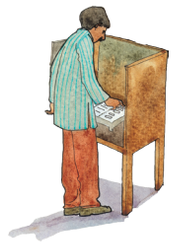

मतदान

पहचान-पत्र

ई.वी.एम. मशीन

चुनाव अधिकारी

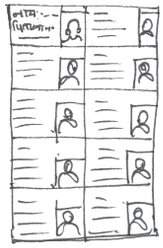

मतदान सूची

स्रोत— http://www.nvsp.in/
http://eci.nic.in/eci_main1/evm1.aspx

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से बारी-बारी से सभी चित्रों की पहचान करवाएँ। चित्रों के नीचे उससे संबंधित शब्द दिए गए है। चित्र के आधार पर शब्दों को अनुमान लगाकर पढ़वाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से चित्र के नीचे दिए गए शब्द पढ़ने के लिए कहें।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures given above. Ask the learners to predict the word based on the given picture. Then, put your finger under each word and bring their attention to the word.

पढ़िए और अक्षर लिखिए

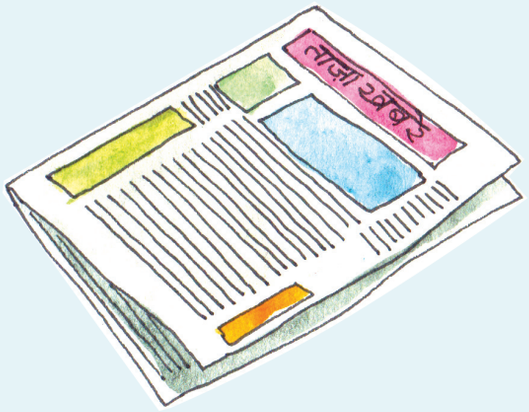

आज के अखबार में एक नए घोटाले की ख़बर है।

घर	घटा	घाट	घोड़ा	घास
घुटना	घुन	घूँसा	घिसना	बाघिन
घूमना	घूँट	घेरा	घिनौना	लाँघा

घ घ

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

शिक्षक-निर्देश— शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह पर चित्र का नाम लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

Chapter_6 ndd Folder.indd 47 07-12-2020 12:25:09

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ध

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।

धक्का	धड़कन	दूध	धौलपुर	धौंस
धुआँ	धुंध	धूल	आधी	अधिक
गधा	अधूरा	धेला	धौंकनी	धोखा
आधे	उधेड़ना	धीरज	बाँधना	कंधा

ध ध

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

स्रोत— https://www.uidai.gov.in/media-center/uidai-brand/aadhaar-logo.html?id=1030
https://www.uidai.gov.in/media-center/media/advertisement.html

Chapter_6 ndd Folder.indd 48 07-12-2020 12:25:10

■ पढ़िए और अक्षर लिखिए

ढ

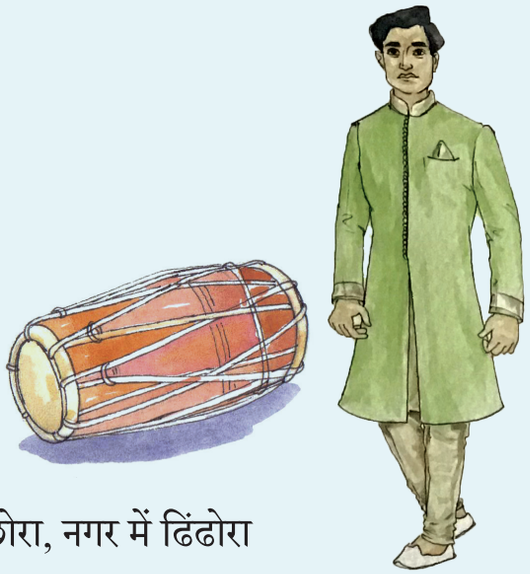

बगल में छोरा, नगर में ढिंढोरा

ढलान	ढाँचा	ढीठ	मेंढक	ढेर
ढीला	ढूँढ़ना	ढेला	ढोंग	ढुलाई
ढकना	ढोकला	ढीली	ढलना	ढोल

ढ ढ

■ चित्र देखिए और शब्द लिखिए

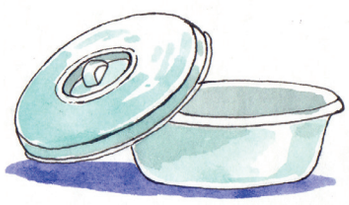

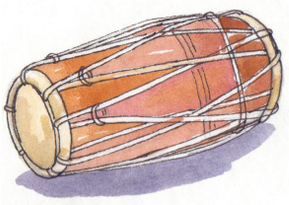

Chapter_6 ndd Folder.indd 49 07-12-2020 12:25:11

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ढ़

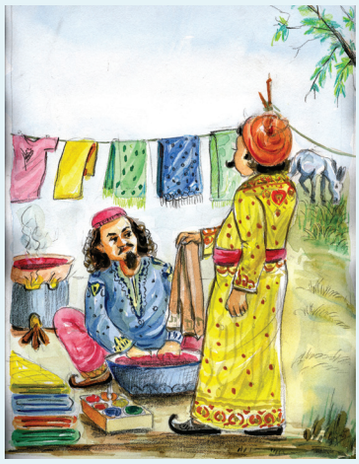

रंगरेज़ ने सारे कपड़े गाढ़े रंग के रंग दिए।

पढ़ना	बाढ़	गाढ़ा	कढ़ाई	बूढ़ा
बढ़ो	पढ़ो	चढ़ो	बढ़िया	चढ़ी
पढ़ाई	चढ़ाई	पढ़ाना	गढ़	चढ़ाई

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

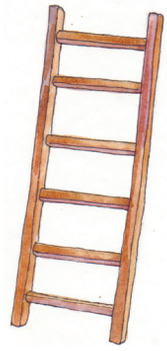

Chapter_6 ndd Folder.indd 50 07-12-2020 12:25:12

पढ़िए और अक्षर लिखिए

क्ष

बच्चों को राक्षसों की कहानियाँ पसंद आती हैं।

क्षमा	कक्ष	शिक्षा
परीक्षा	राक्षस	शिक्षित

क्ष क्ष

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

Chapter_6 ndd Folder.indd 51 07-12-2020 12:25:13

आप एक वोटर हैं

■ आप एक सामान्य वोटर की तरह वोटर सूची में शामिल हो सकते हैं, अगर आप—

भारतीय नागरिक हैं।

मतदान क्षेत्र के निवासी हैं।

1 जनवरी को 18 साल के हैं।

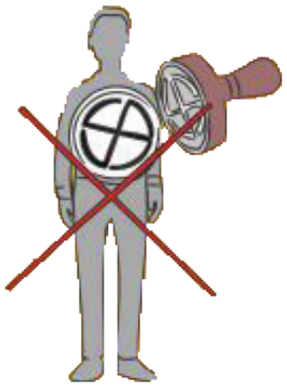

वह व्यक्ति वोट नहीं दे सकते जो दिमागी तौर से स्वस्थ नहीं हैं। या फिर चुनाव से जुड़े किसी जुर्म में शामिल हैं।

प्रश्न 1. क्या आपके पास वोटर कार्ड है?

प्रश्न 2. आपने अब तक कितनी बार वोट दिया है?

प्रश्न 3. आपके मतदान क्षेत्र का नाम क्या है?

स्रोत— http://ecisveep.nic.in/gallery/image/1343-general-voters-guide/?context=new

शिक्षक-निर्देश— मतदान से जुड़ी कुछ बातें ऊपर दी गई हैं। शिक्षार्थियों से पढ़ने को कहें। ज़रूरत पड़ने पर मदद करें।

For the Facilitator: A few facts related to voting have been mentioned above. Ask the learners to read and provide support if needed.

Chapter_6 ndd Folder.indd 52 07-12-2020 12:25:13

■ वोटर कार्ड को देखिए और दिए गए प्रश्नों के जवाब लिखिए

प्रश्न 1. जानकारी किन भाषाओं में है?

प्रश्न 2. आपका वोटर कार्ड किन भाषाओं में है?

प्रश्न 3. क्या वोटर कार्ड में आपके विवाह संबंधी जानकारी दी गई है?

Chapter_6 ndd Folder.indd 53 07-12-2020 12:25:14

प्रश्न 4. कार्ड को देखकर दी गई जानकारी की सूची बनाइए—

क्र.सं.	जानकारी
1.	मतदाता का नाम
2.	
3.	लिंग
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	

प्रश्न 5. इनमें से कौन-सी जानकारी ऐसी है जो केवल आपकी है और आपकी पहचान उस जानकारी से हो सकती है, जैसे— आपका नाम बेहद निजी जानकारी है पर उसके बावजूद आपके नाम वाले कई लोग हो सकते हैं।

प्रश्न 6. आप अपने वोटर कार्ड का इस्तेमाल चुनाव के अलावा और कहाँ करते हैं? पिछले पृष्ठ पर एक वोटर कार्ड का नमूना है। आपका वोटर कार्ड भी ठीक इसी शक्ल का है उसमें भी आपके बारे में कई तरह की जानकारी हैं।

Chapter_6 ndd Folder.indd 54 07-12-2020 12:25:14

■ वोट देने की तैयारी

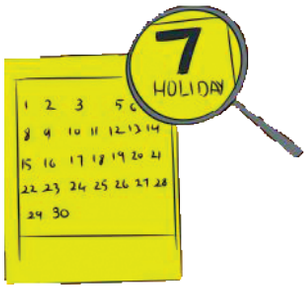

मतदान के दिन छुट्टी दी जाती है। तो आपको काम पर जाने की भागदौड़ नहीं करनी है।

अपना नाम मतदाता सूची में देख लें। यह आप चुनाव अधिकारी की वेबसाइट पर भी देख सकते हैं।

घर से निकलते समय अपना पहचान-पत्र (वोटर कार्ड) ले जाना न भूलें। पर मोबाइल, कैमरा आदि न लेकर जाएँ। मतदान केंद्र में यह ले जाने की इजाज़त नहीं है।

मतदान केंद्र के बाहर कतार में खड़े हों। आप ज़रूर चाहेंगे कि अगर किसी के लिए कतार में खड़े रहना मुश्किल है तो आप उन्हें वोट पहले डालने देंगे।

स्रोत— http://ecisveep.nic.in/gallery/image/1349-general-voters-guide/?context=new

Chapter_6 ndd Folder.indd 55 07-12-2020 12:25:14

वोट देने का तरीका

निर्वाचन अधिकारी 1

मतदाता सूची में नाम और पहचान-पत्र की जाँच करता है।

निर्वाचन अधिकारी 2

अँगुली पर स्याही लगाता है, एक पर्ची देता है और आपके हस्ताक्षर करवाता है।

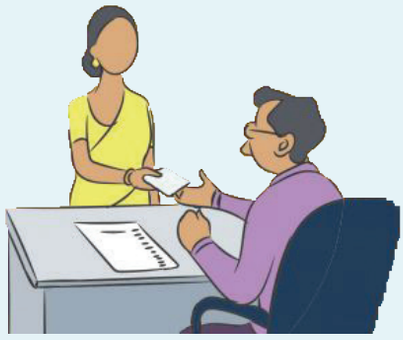

निर्वाचन अधिकारी 3

पर्ची लेता है और आपकी अँगुली पर लगी स्याही की जाँच करता है।

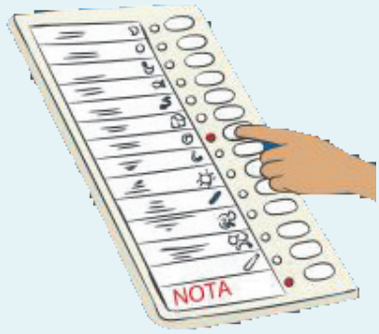

अपना वोट देने के लिए इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर एक बटन दबाएँ। आपको एक लंबी आवाज़ सुनाई देगी। अगर आप किसी भी उम्मीदवार को वोट नहीं देना चाहते तो **NOTA** वाले बटन को दबाएँ।

स्रोत– http://ecisveep.nic.in/gallery/image/1350-general-voters-guide/?context=new

Chapter_6 ndd Folder.indd 56 07-12-2020 12:25:14

ध्यान से देखिए, पढ़िए और आपस में चर्चा कीजिए

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— 'मतदान' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे— 'वोट देना' के लिए 'वोट पड़ना' आदि।

For the Facilitator: Conclude the theme *Matdan* through discussion. Write 3-4 words related to this theme by asking the learners. These words can be from their own language also. For example– *Vote Padana* for *Vote Dena* etc.

Chapter_6 ndd Folder.indd 57 07-12-2020 12:25:14

एक मतदान से संबंधित सूचना दर्शायी गई है

विजय	–	900 वोट
लक्ष्मी	–	976 वोट
पंकज	–	967 वोट
झुमरी	–	157 वोट
डाले गए कुल वोट	–	3000

इस सूचना को समझकर बताइए

क. किसे सबसे अधिक वोट मिले हैं?

ख. विजय और लक्ष्मी के वोटों का अंतर कितना है?

ग. सबसे कम वोट किसे मिले हैं?

घ. चुनाव में दूसरे स्थान पर कौन है?

ङ. लक्ष्मी को डाले गए कुल वोटों में से कितने वोट नहीं मिले?

च. झुमरी और पंकज को कुल कितने वोट मिले हैं?

छ. चुनाव में कुल कितने उम्मीदवार हैं?

ज. नौ सौ वोट किसे मिले हैं?

झ. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सबसे सही है और क्यों?

- मतदान केंद्र पर वोटरों की संख्या केवल 3000 है
- सबसे कम वोट विजय को मिले
- झुमरी को मिलने वाले वोटों की संख्या पंकज के वोटों की संख्या से ज़्यादा हैं

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे विभिन्न संदर्भों में तीन अंकों में तुलना कर सकें तथा जोड़-घटाव करने के विविध तरीके खोजें तथा दी गई जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकें।

For the Facilitator: Encourage the learners to compare three digit numbers in different contexts of addition and subtraction with different ways and they can able to take decision on the basis of given information.

Chapter_6 ndd Folder.indd 58 07-12-2020 12:25:15

■ चुनाव की रेस में तो लक्ष्मी जीत गई थी। बताइए, बच्चों की रेस में कौन जीतेगी?

650 मीटर	670 मीटर	720 मीटर	750 मीटर	800 मीटर
रूपा	झेलम	कमला	मंदिरा	समाप्ति

चित्र के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

क. दौड़ में सबसे पीछे कौन है?

ख. कितने मीटर और दौड़ने के बाद मंदिरा जीत सकती है?

ग. रूपा, झेलम से कितनी पीछे है?

घ. कमला, मंदिरा से कितना पीछे है?

■ मापकर देखिए

1 सेंटीमीटर

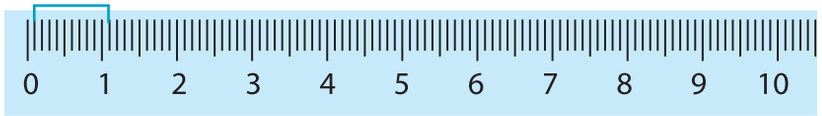

याद रखें
100 से.मी. = 1 मीटर

अँगुली		से.मी.	पेंसिल		से.मी.
बालिश्त		से.मी.	मोबाइल फ़ोन		से.मी.
नाखून		से.मी.			

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को आस-पास की वस्तुओं की लम्बाई का अनुमान लगाने व वास्तविक मापन द्वारा सत्यापित करने का मौका दें। यह भी चर्चा करें कि बार- बार अनुमान लगाने से अनुमान सटीक हो जाता है।

For the Facilitator: Provide the learner various opportunities where they can estimate the lenghth of objects and can verify it by actual measurement. Also discuss that with experience they can find accuracy in their estimation.

Chapter_6 ndd Folder.indd 59 07-12-2020 12:25:25

- दीवार पर ऐसे दी निशान लगाएँ जिनके बीच की दूरी 1 मीटर है।
- अपनी लंबाई का अनुमान लगाएँ और माप लिखें।

■ मतदान कराने के लिए प्रत्येक पोलिंग बूथ पर 3 मतदान अधिकारी नियुक्त किए गए। यदि एक मतदान स्थल पर 5 पोलिंग बूथ हैं तो कुल कितने मतदान अधिकारी नियुक्त करने होंगे?

पोलिंग बूथ की संख्या =

एक पोलिंग बूथ पर मतदान अधिकारियों की संख्या $= 3$

मतदान अधिकारी नियुक्त करने होंगे $= 3 + 3 + 3 + 3 + 3$

$= 5 \times 3$

$= 15$

किसी कारणवश एक पोलिंग बूथ और बनाना पड़ा।

अब बताओ कितने मतदान अधिकारियों की जरूरत पड़ेगी।

पहले से नियुक्त मतदान अधिकारी $= 15$

अब कुल मतदान अधिकारी $= 15 + 3 = 18$

■ गुणन तथ्यों का उपयोग करके भरिए

$6 \times 5 = 30$ तब $7 \times 5 =$ ☐

$10 \times 10 = 100$ तब $9 \times 10 =$ ☐

$15 \times 8 = 120$ तब $16 \times 8 =$ ☐

एक उम्मीदवार प्रतिदिन 80 मतदाताओं से मिलता है। पिछले चार दिनों में वह कितने मतदाताओं से मिल चुका है?

☐ × ☐ = ☐

पाँचवे दिन के अंत तक वह कितने मतदाताओं से मिल लेगा?

☐ + ☐ = ☐

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से एक गुणन तथ्य पता होने पर दूसरा गुणन तथ्य ज्ञात करने (जैसे $6 \times 5 = 30$ तो $7 \times 5 = 30 + 5$ की समझ)पर चर्चा करें।

For the Facilitator: Discuss with the learners that how one can find the other multiplications facts when they know any one of them. E.g. if $6 \times 5 = 30$ then $7 \times 5 = 30 + 5$.

Chapter_6 ndd Folder.indd 60 07-12-2020 12:25:25

■ मिलकर पढ़िए

1.

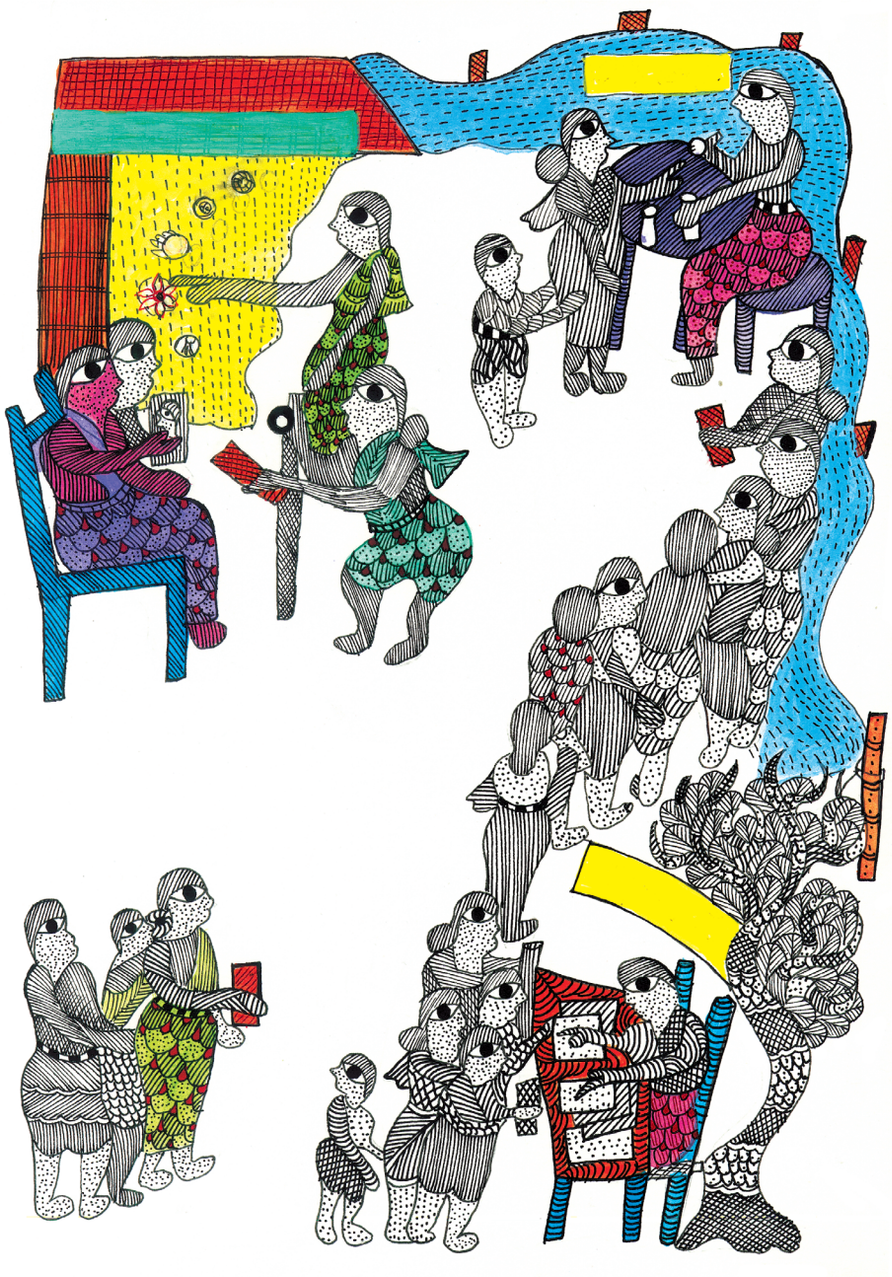

सरकार चुनने के लिए वोट देने का अधिकार हमेशा से हर किसी के पास नहीं था। महिलाओं को पुरुषों से कम समझा जाता था और उनकी क्षमताओं पर भरोसा नहीं था। दुनिया के बहुत से देशों में महिलाओं को मतदान के अधिकार के लिए लड़ना पड़ा।

अपनी आवाज़ सुनाने के लिए जगह-जगह पर महिलाओं ने अपने आपको लोहे की ज़ंजीरों से बाँधकर प्रदर्शन किया। उनमें से कई क्रांतिकारी महिलाएँ जेल गईं और भूख हड़ता

(सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-I, एन.सी.ई.आर.टी.)

Chapter_6 ndd Folder.indd 61 07-12-2020 12:25:26

2.

भारत में आज़ादी से पहले बहुत ही कम लोगों को वोट देने का अधिकार था। इसीलिए जनता ने मिलकर इस अधिकार की माँग की। गांधीजी समेत कई नेताओं ने इस गलत बात का विरोध किया। उन्होंने भी ज़ोर-शोर से यह माँग उठाई। 1931 में *यंग इंडिया* पत्रिका में लिखते हुए गांधीजी ने कहा था, "मैं यह विचार सहन नहीं कर सकता कि जिस आदमी के पास संपत्ति है वह वोट दे सकता है, लेकिन वह आदमी जिसके पास चरित्र है पर संपत्ति या शिक्षा नहीं, वह वोट नहीं दे सकता या जो दिनभर अपना पसीना बहाकर ईमानदारी से काम करता है वह वोट नहीं दे सकता, क्योंकि उसने गरीब आदमी होने का गुनाह किया है...।"

(सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-I, एन.सी.ई.आर.टी.)

Chapter_6 ndd Folder.indd 62 07-12-2020 12:25:27

7 कानूनी साक्षरता

आप सीखेंगे

त्र श्र ण ऋ ज्ञ

- दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली भिन्नों की समझ का उपयोग
- भाग की समझ बनाना
- वज़न का मापन करना (ग्राम और किलोग्राम)

देखिए और पढ़िए

पुलिस थाना

अदालत

कानून

सरकारी वकील

न्याय

कोर्ट

जुर्माना

एफ.आई.आर.

घरेलू हिंसा

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से बारी-बारी से सभी चित्रों की पहचान करवाएँ। चित्रों के नीचे उससे संबंधित शब्द दिए गए है। चित्र के आधार पर शब्दों को अनुमान लगाकर पढ़वाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से चित्र के नीचे दिए गए शब्द पढ़ने के लिए कहें।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures given above. Ask the learners to predict the word based on the given picture. Then, put your finger under each word and bring their attention to the word.

पढ़िए और लिखिए

त्र

ा ि ै

ा े

इस वाक्य में कितनी मात्राएँ हैं?

पत्र	दानपात्र	नेत्रदान	रात्रि	त्रिकोण
मित्र	त्रुटि	मैत्रेयी	यात्री	जात्रा

त्र त्र

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

17

शिक्षक-निर्देश— शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। उनसे अक्षर लिखवाएँ। दी गई जगह पर चित्र का नाम लिखवाएँ।

For the Facilitator: Support the learners in reading the words. Ask the learners to write the letters. Also, encourage them to label the pictures and write words in the given space.

पढ़िए और अक्षर लिखिए

श्र

श्रीमती और श्री दुबे शादी में आमंत्रित हैं।

आश्रम	परिश्रम	श्रद्धा	श्रावण	श्राद्ध	श्रोता

श्र श्र

ण

चुनाव से पहले नेताओं ने खूब भाषण दिए।

परिणाम	बाण	प्राण	रणबीर	सब्ज़ी	जौ
गणना	लक्षण	गुणा	पूर्णिमा	गणित	प्राणी
पुणे	पणजी	श्रावण			

ण ण

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

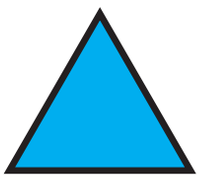

Chapter 7.indd 65 08-Dec-20 10:13:10 AM

पढ़िए और अक्षर लिखिए

ऋ

बीज खरीदने के लिए मैंने बैंक से ऋण लिया।

ऋषभ	कृषक	मृत्यु	प्रकृति	ऋषि	कृपया

ऋ ऋ

चित्र देखिए और शब्द लिखिए

वृक्ष

नृत्य

ज्ञ

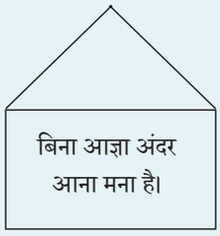

ज्ञानी	ज्ञान	अज्ञात	अज्ञान

ज्ञ ज्ञ

Chapter 7.indd 66 08-Dec-20 10:13:12 AM

सबके लिए समान कानून

आप कुछ कानूनों से परिचित होंगे। शायद आप जानते होंगे कि शादी की कम से कम उम्र तय है। शादी के समय लड़की की उम्र कम से कम 18 साल हो। लड़के की उम्र कम से कम 21 साल हो। और वोट देने की उम्र 18 साल है। हमारे देश में कई तरह के कानून हैं। गौर करने लायक बात यह है कि सभी लोग कानून की नज़र में बराबर हैं।

हमारा कानून धर्म, जाति और लिंग के आधार पर लोगों के बीच कोई भेदभाव नहीं करता। सभी कानून देश के सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होते हैं। कानून से ऊपर कोई नहीं है। फिर चाहे वह सरकारी अधिकारी हो या धन्नासेठ। कोई अपराध करने या कानून तोड़ने की सज़ा, कानून ने पहले से ही तय की है। सज़ा तक पहुँचने की भी एक तय प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति का अपराध साबित किया जाता है।

शिक्षक-निर्देश— ऊपर दिए गए प्रश्नों पर बातचीत करें और जवाब लिखने में शिक्षार्थियों की मदद करें।

For the Facilitator: Discuss the questions given above with the learners. Support the learners in writing the answers.

Chapter 7.indd 67 08-Dec-20 10:13:12 AM

■ गांधी जी

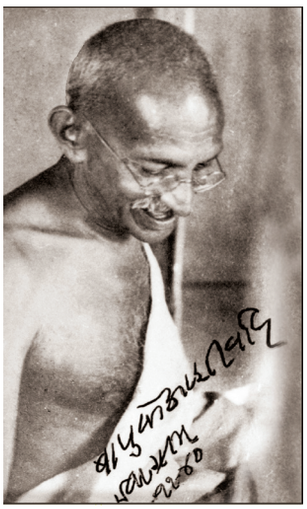

एक बार एक धनी व्यापारी ने गांधी जी को मुकदमे के लिए एक दूसरे देश बुलाया। अपने मुवक्किल, दादा अब्दुल्ला से उन्होंने मुकदमे को गहराई से समझा। उन्हें लगा कि यदि दोनों पक्ष लंबी मुकदमेबाज़ी में फँसे तो दोनों ही बर्बाद हो जाएँगे। उन्हें धन या नाम कमाने के लिए अपने मुवक्किल का शोषण करना अच्छा नहीं लगा। उनका विश्वास था कि मामले को अदालत से बाहर दूसरे पक्ष से बातचीत करके तय कर लिया जाए।

दादा अब्दुल्ला जब हिचकिचाए, तब गांधी ने कहा, "आपकी जो गोपनीय बातें हैं, उन्हें मैं किसी को नहीं बताऊँगा। मैं सिर्फ़ यही समझाऊँगा कि वह समझौता कर ले।" गांधी की इस कोशिश के बावजूद, मुकदमा एक साल चला। गांधी को इस दौरान यह देखने का अच्छा अवसर मिला कि अच्छे एटार्नी और वकील एक पेचीदा मामले को किस तरह सँभालते हैं। गांधी जी की कोशिश से आखिर ऐसा समझौता हो गया जो दोनों पक्षों को मंज़ूर था। लेकिन गांधी जी को ऐसे पेशे से नफ़रत हो गई जिसमें कानूनी दाँव-पेंच से मुकदमा बरसों तक खींच दिया जाता है और मुवक्किलों से रुपया लूटा जाता है।

– अनु बंद्योपाध्याय

(बहुरूप गांधी, एन.सी.ई.आर.टी.)

शिक्षक-निर्देश— अँगुली रखकर पाठ को पढ़ें। शिक्षार्थियों के साथ गांधी जी, कानून, मुकदमा आदि बिंदुओं पर बातचीत करें।

For the Facilitator: Put your finger under each word and read aloud the text. Discuss with the learners about Gandhi ji, law, case and other related issues.

Chapter 7.indd 68 08-Dec-20 10:13:13 AM

■ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.)

पुलिस एफ.आई.आर. दर्ज होने के बाद ही किसी अपराध की पड़ताल शुरू कर सकती है। कानून में कहा गया है कि अपराध की सूचना मिलने पर नज़दीकी थाने में फ़ौरन एफ.आई.आर. दर्ज करनी चाहिए। पुलिस को यह सूचना मौखिक या लिखित, किसी भी रूप में मिल सकती है। एफ.आई.आर. में आमतौर पर वारदात की तारीख, समय और स्थान का दर्ज़ किया जाता है। उसमें वारदात के मूल तथ्यों और घटनाओं का विवरण भी लिखा जाता है। अगर अपराधियों का पता हो तो उनके नाम तथा गवाहों के नाम को भी शामिल किया जाता है। एफ.आई.आर. में शिकायत दर्ज़ कराने वाले का नाम और पता लिखा होता है। एफ.आई.आर. के लिए पुलिस के पास एक खास फ़ॉर्म होता है। इस पर शिकायत करने वाले के दस्तखत कराए जाते हैं। शिकायत करने वाले को पुलिस से एफ.आई.आर. की एक नकल मुफ़्त पाने का कानूनी अधिकार होता है।

(सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-III, एन.सी.ई.आर.टी.)

13146

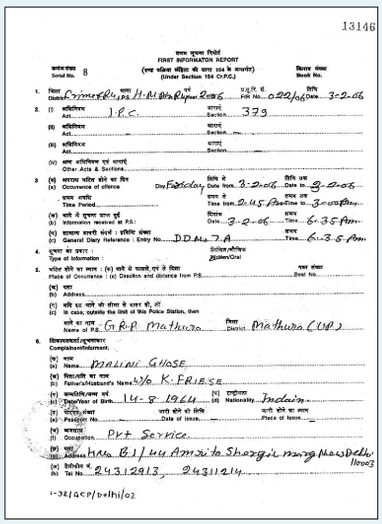

प्रथम सूचना रिपोर्ट
FIRST INFORMATON REPORT
(दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 154 के अन्तर्गत)
(Under Section 154 Cr.P.C.)

क्रमांक संख्या Serial No. 8 — किताब संख्या Book No.

1. जिला District Crime Rly. थाना P.S. H.N.Din Rly. वर्ष Year 2006 प्र.सू.रि. सं. FIR No. 022/06 तिथि Date 3-2-06
2. (i) अधिनियम Act I.P.C. धाराएं Section 379
(ii) अधिनियम Act — धाराएं Section —
(iii) अधिनियम Act — धाराएं Section —
(iv) अन्य अधिनियम एवं धाराएं Other Acts & Sections
3. (क) अपराध घटित होने का दिन (a) Occurrence of offence Day Friday तिथि से Date from 3-2-06 तिथि तक Date to 3-2-06
समय अवधि Time Period समय से Time from 2.45 Am समय तक Time to 3-00 Am
(ख) थाने में सूचना प्राप्त हुई (b) Information received at P.S.: दिनांक Date 3-2-06 समय Time 6-35 Am
(ग) सामान्य डायरी संदर्भ : प्रविष्टि संख्या (c) General Diary Reference : Entry No. DD No. 7A समय Time 6-35 Am
4. सूचना का प्रकार : Type of Information : लिखित/मौखिक Written/Oral
5. घटित होने का स्थान : (क) थाने से फासले एवं से दिशा Place of Occurrence : (a) Direction and distance from P.S. बीट संख्या Beat No.
(ख) पता (b) Address
(ग) यदि इस थाने की सीमा से बाहर हो, तो (c) In case, outside the limit of this Police Station, then
थाने का नाम Name of P.S. G.R.P. Mathura जिला District Mathura (UP)
6. शिकायतकर्ता/सूचनाकार Complainant/Informant:
(क) नाम (a) Name MALINI GHOSE
(ख) पिता/पति का नाम (b) Father's/Husband's Name W/o K. FRIESE
(ग) जन्मतिथि/जन्म वर्ष (c) Date/Year of Birth 14-8-1964 (घ) राष्ट्रीयता (d) Nationality Indian
(ङ) पारपत्र संख्या (e) Passport No. — जारी होने की तिथि Date of Issue — जारी होने का स्थान Place of Issue —
(च) व्यवसाय (f) Occupation Pvt Service
(छ) पता (g) Address H.No. B1/44 Amrita Shergil Marg New Delhi 110003
(ज) टेलीफोन नं. (h) Tel No. 24312913, 24311214

1-32/ACP/Delhi/02

13146

क्रमांक संख्या Serial No. 8 — किताब संख्या Book No.

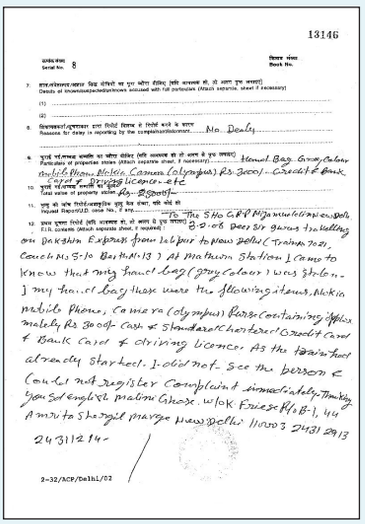

7. ज्ञात/संदेहास्पद/अज्ञात सिद्ध दोषियों का पूरा ब्यौरा दीजिए (यदि आवश्यक हो, तो अलग पृष्ठ लगाइए)
Details of known/suspected/unknown accused with full particulars (Attach separate, sheet if necessary)
(1)
(2)
8. शिकायतकर्ता/सूचनाकार द्वारा रिपोर्ट विलम्ब से रिपोर्ट करने के कारण
Reasons for delay in reporting by the complainant/informant No Delay
9. चुराई गई/सम्बद्ध सम्पत्ति का ब्यौरा दीजिए (यदि आवश्यक हो तो अलग से पृष्ठ लगाइए)
Particulars of properties stolen (Attach separate sheet, if necessary) Hand Bag Grey Colour mobile Phone Nokia Camera (olympus) Rs 3000/- Credit & Bank Card & Driving licence etc
10. चुराई गई/सम्बद्ध सम्पत्ति का मूल्य Total value of property stolen Rs. 25000/-
11. मृत्यु की जांच रिपोर्ट/अप्राकृतिक मृत्यु केस संख्या, यदि कोई हो Inquest Report/U.D. case No., if any
12. प्रथम सूचना रिपोर्ट (यदि आवश्यक हो, तो अलग से पृष्ठ लगाइए) F.I.R. contents (Attach separate sheet, if required) :
To The SHO G.R.P. Nizamuddin New Delhi. 3-2-06 Dear Sir I was travelling on Dakshin Express from Lalitpur to New Delhi (Train No. 7021, Coach No. S-10 Berth No. 13) At Mathura Station I came to know that my hand bag (grey colour) was stolen. In my hand bag there were the following items, Nokia mobile Phone, Camera (olympus) Purse containing approx mately Rs 3000/- Cash & Standard Chartered Credit Card & Bank Card & driving licence. As the train had already started. I did not see the person & could not register complaint immediately. Thanking you Sd english Malini Ghose. W/o K. Friese R/o B-1, 44 Amrita Shergil Marg New Delhi 110003 24312913 24311214

2-32/ACP/Delhi/02

13146

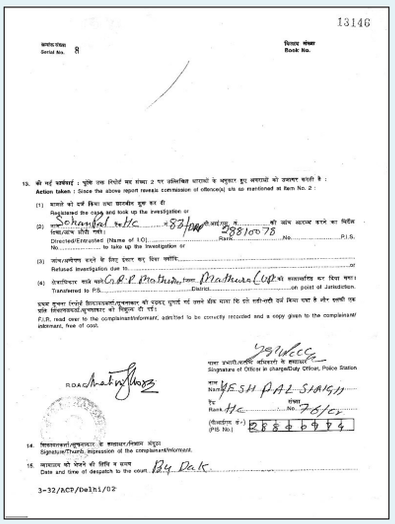

क्रमांक संख्या Serial No. 8 — किताब संख्या Book No.

13. की गई कार्यवाई : चूंकि उक्त रिपोर्ट मद संख्या 2 पर उल्लिखित धाराओं के अनुसार हुए अपराधों को उजागर करती है :
Action taken : Since the above report reveals commission of offence(s) u/s as mentioned at Item No. 2 :
(1) मामले को दर्ज किया तथा छानबीन शुरू कर दी Registered the case and took up the investigation or
(2) नाम Sohanpal रैंक HC नं. 83/DRP पी.आई.एस. नं. 28810078 को जांच आरम्भ करने का निर्देश दिया/जांच सौंपी गयी। Directed/Entrusted (Name of I.O.) Rank No. P.I.S. No. to take up the Investigation or
(3) जांच/अन्वेषण करने के लिए इंकार कर दिया क्योंकि Refused investigation due to or
(4) क्षेत्राधिकार वाले थाने G.R.P. Mathura जिला Mathura (UP) को हस्तान्तरित कर दिया गया। Transferred to P.S. District on point of Jurisdiction.
प्रथम सूचना रिपोर्ट शिकायतकर्ता/सूचनाकार को पढ़कर सुनाई गई उसने ठीक माना कि इसे सही-सही दर्ज किया गया है और इसकी एक प्रति शिकायतकर्ता/सूचनाकार को निशुल्क दी गई।
F.I.R. read over to the complainant/informant, admitted to be correctly recorded and a copy given to the complainant/informant, free of cost.

R.O.A.C. Malini Ghose

थाना प्रभारी/कार्यरत अधिकारी के हस्ताक्षर Signature of Officer in charge/Duty Officer, Police Station
नाम Name YESH PAL SINGH
रैंक Rank HC संख्या No. 76/Cr
(पीआईएस सं॰) (PIS No.) 28860974

14. शिकायतकर्ता/सूचनाकार के हस्ताक्षर/निशान अंगूठा Signature/Thumb impression of the complainant/informant.
15. न्यायालय को भेजने की तिथि व समय Date and time of despatch to the court By Dak.

3-32/ACP/Delhi/02

प्रश्न 1. क्या आपने कभी एफ.आई.आर. दर्ज़ करवाई है?

प्रश्न 2. आपके घर से सबसे नज़दीकी पुलिस थाना कौन-सा है?

प्रश्न 3. ज़रूरत पड़ने पर आप पुलिस की मदद किस टेलीफ़ोन नंबर पर ले सकते हैं?

Chapter 7.indd 69 08-Dec-20 10:13:14 AM

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— 'कानूनी साक्षरता' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे— 'कानूनी दाँव-पेंच' के लिए 'कानूनी लफड़ा' आदि।

For the Facilitator: Conclude the theme *Kanooni Saaksharta* through discussion. Write 3-4 words related to this theme by asking the learners. These words can be from their own language also. For example '*kanooni lafda*' for '*kanooni danv-pench*' etc.

Chapter 7.indd 70 08-Dec-20 10:13:15 AM

■ अपनी कहानी बनाइए

शशि का एक छोटा-सा घर है। वह सिलाई करती है। इसी से उसकी गुज़र-बसर होती है। पति नहीं हैं, तीन साल पहले वे गुज़र गए थे। शशि के दो बच्चे हैं। वे स्कूल में पढ़ते हैं। शशि के घर के नज़दीक ही ज्ञानचंद की फ़ैक्टरी है। ज्ञानचंद शशि पर दबाव डालता है कि वह अपना घर उसे बेच दे। दरअसल ज्ञानचंद वहाँ अपनी नई फ़ैक्टरी खोलना चाहता है।

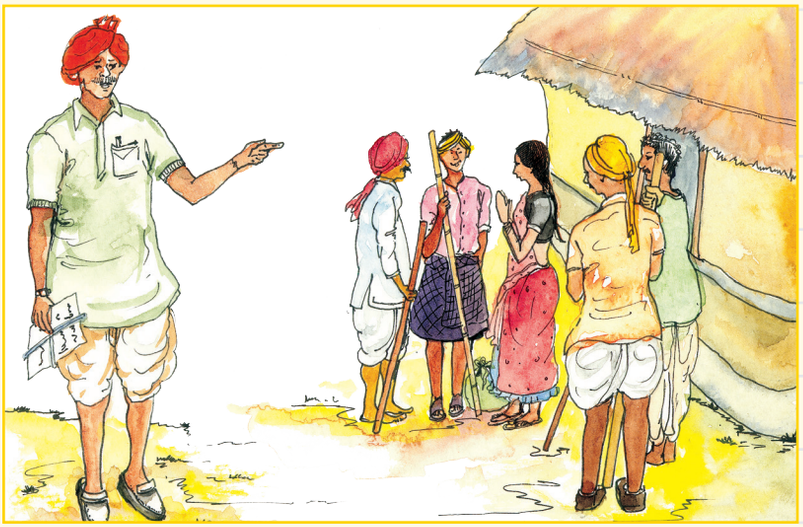

Chapter 7.indd 71 08-Dec-20 10:13:18 AM

Chapter 7.indd 72 08-Dec-20 10:13:23 AM

■ मान लीजिए

1. अगर एक दुकानदार एक दिन में 270 रुपये कमाता है तो वह दो हफ्तों में कितने रुपये कमाएगा?

2. एक मज़दूर को एक दिन के काम के 350 रुपये मिलते हैं। दो दिन में उसे कितने रुपये मिलेंगे?

■ फ़ैक्टरी मालिक ने अपने कर्मचारियों को उनके काम के हिसाब से नीचे दर्शाए गए रुपये दिए। गिनकर लिखिए किसे कितने रुपये मिले हैं?

1.	संजय		
2.	मीना		
3.	हरिराम		
4	रबीना		

- किसको सबसे ज़्यादा रुपये मिले? _____
- किसको सबसे कम रुपये मिले? _____

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थी को प्रोत्साहित करें कि वे 1000 तक की बड़ी संख्याओं की तुलना और दैनिक जीवन में उनके उपयोग पर चर्चा करें।

For the Facilitator: Encourage the learners to compare the numbers till 1000 and discuss their relevance in daily life context.

Chapter 7.indd 73 08-Dec-20 10:13:25 AM

जाने वज़न के बारे में

आपका वजन कितना है? तौले तथा लिखें। _____

आपके मित्र का वज़न कितना है? _____

किसका वज़न ज़्यादा है आपका या आपके मित्र का? _____

- एक फूलगोभी का वज़न कितना होगा?
- यदि चंदा ने 1 किलोग्राम चीनी खरीदी परंतु उसको उसके वज़न से ऐसा आभास हुआ कि ये पूरी 1 किलोग्राम नहीं है। उसने दूसरी दुकान पर जाकर चीनी तुलवाई जोकि कुल 900 ग्राम निकली। चंदा को दुकानदार ने कितनी चीनी कम दी?

- कम चीनी या कम वज़न तौलने की शिकायत आप कहाँ करेंगे?
- यदि आपको लगता है कि आपने जो सामग्री खरीदी है वह निर्धारित वज़न से कम है तो आप दुकानदार से तराजू के सामग्री वाले पलड़े में बाट और बाट वाले पलड़े में सामग्री रखकर पुन: तौल करा सकते हैं।
- यदि आपको लगता है कि दुकानदार के बाट निर्धारित मानक के नहीं हैं तो आप नाप तौल विभाग के कार्यालय में इसकी शिकायत कर सकते हैं।

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थी को भार की इकाइयों, जैसे— किलोग्राम, ग्राम के अनुभव प्रदान कर उनकी समझ विकसित करने में मदद करें।

For the Facilitator: Provide learners the opportunity to develop understanding of weight 500 gm and 1 kg after giving real life experience to them.

Chapter 7.indd 74 08-Dec-20 10:13:28 AM

- 5 कि.ग्रा. गेहूँ ₹100 में आए हैं तो 25 कि.ग्रा. गेहूँ का मूल्य कितना होगा?
- 25 कि.ग्रा. गेहूँ खरीदने के लिए आप कौन-कौन से और कितने नोट देंगे? लिखिए।

अधिक वज़न वाली वस्तुओं का वज़न नापने के लिए किलोग्राम का प्रयोग होता है। कम वज़न वाली वस्तुओं कों नापने के लिए ग्राम का प्रयोग होता है। किलोग्राम को कि.ग्रा. व ग्राम को ग्रा. भी लिख सकते हैं।

1 किलोग्राम	=	1000 ग्राम
आधा किलोग्राम	=	500 ग्राम
चौथाई किलोग्राम या पाव किलोग्राम	=	250 ग्राम

■ वजन नापने के बाट

इसी तरह अधिक भारी वस्तुओं के वज़न को मापने के लिए बड़े बाट होते हैं।

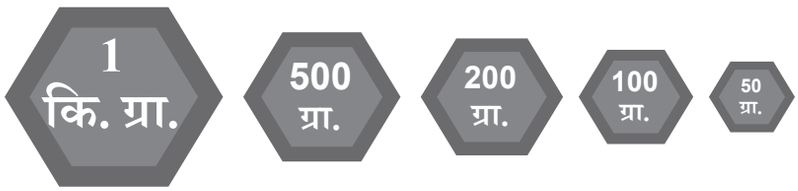

■ शारदा सब्ज़ी खरीदने बाज़ार गई। हिसाब लगाइए कि उसने कुल कितने रुपये की सब्ज़ियाँ खरीदीं?

क्रम	सब्ज़ी का नाम	दर (रेट) प्रति किलो	कितनी ली (मात्रा)	रुपये चुकाए (मूल्य)
1	आलू	20	2 किलोग्राम	
2	प्याज़	15	1 किलोग्राम	
3	टमाटर	25	3 किलोग्राम	
4	लौकी	10	आधा किलोग्राम	
		कुल रुपये		

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थी को जागरूक करें कि जब वे किसी दुकान से सामान खरीदें तो दुकानदार से उसका बिल जरूर लें तथा इसके उपयोग पर चर्चा करें।

For the Facilitator: Aware the learners to get the bill from the shopkeeper after buying articles and discuss its relevance.

Chapter 7.indd 75 08-Dec-20 10:13:28 AM

वज़न को नापने के लिए अब डिजिटल मशीनें भी उपयोग की जा रही हैं। डिजिटल मशीनों में वज़न नापने के पहले यह निश्चित कर लेना चाहिए कि मशीन शून्य पर सेट हो। ऐसी मशीनें आस-पास कहाँ उपयोग हो रही हैं इस पर चर्चा कीजिए।

■ आइए, सामान्य रूप से घर में होने वाली बातचीत देखते हैं

माँ ने एक बड़ी रोटी बनायी। उसके दो बराबर हिस्से किए। उनमें से एक हिस्से में से आधा-आधा अपने दोनों बच्चों रजत और रानी को दिया। चित्र देखकर बताओ कि किसको कितना मिला—

	कहते हैं	पढ़ते हैं	लिखते हैं
	1 पूरा	पूर्ण	1
	आधा	दो बराबर हिस्सों में से एक हिस्सा	$\frac{1}{2}$ एक बटे दो
	एक चौथाई	चार बराबर हिस्सों में से एक हिस्सा	$\frac{1}{4}$ एक बटे चार

- रोटी का कितना भाग बच गया?
- रजत ने रोटी का कितना भाग खाया?
- रानी ने रोटी का कितना भाग खाया?

■ यदि माँ रोटी के तीन बराबर हिस्से करती तो ऐसे बँटवारा होता

1 पूर्ण = 1

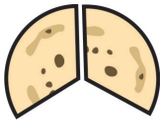

दो तिहाई = $\frac{2}{3}$

एक तिहाई = $\frac{1}{3}$

क्या बच्चों को पहले से ज़्यादा हिस्सा मिलेगा?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से ऐसे ही कई अन्य रोज़मर्रा के उदाहरण लेकर चर्चा कीजिए। कागज़ को मोड़कर और कंकड़ों की सहायता से भी बातचीत की जा सकती है।

For the Facilitator: Discuss such more examples of daily life with the learners. It can also be discussed with the help of paper folding and stones.

Chapter 7.indd 76 08-Dec-20 10:13:29 AM

नीचे बनी तालिका में फसल का बँटवारा दिया है। कुछ जगह से लिखाई मिट गई है। तालिका भरने में सहायता कीजिए —

फसल	कुल पैदावार (बोरों में)	कुल पैदावार का आधा (बोरों में)	कुल पैदावार का एक चौथाई (बोरों में)
मटर	24		
चना	32		
गेहूँ	40	20	
			5
	22		साढ़े पाँच या 5 और आधा

सुंदर जी के पास 40 बीघा ज़मीन है। सुंदर जी के दो बच्चे सुशील और शीला है। दोनों बच्चों को ज़मीन का बराबर-बराबर बँटवारा हुआ। आगे चित्र में देखते हैं कि अगली पीढ़ी में जमीन का बँटवारा कैसे हुआ—

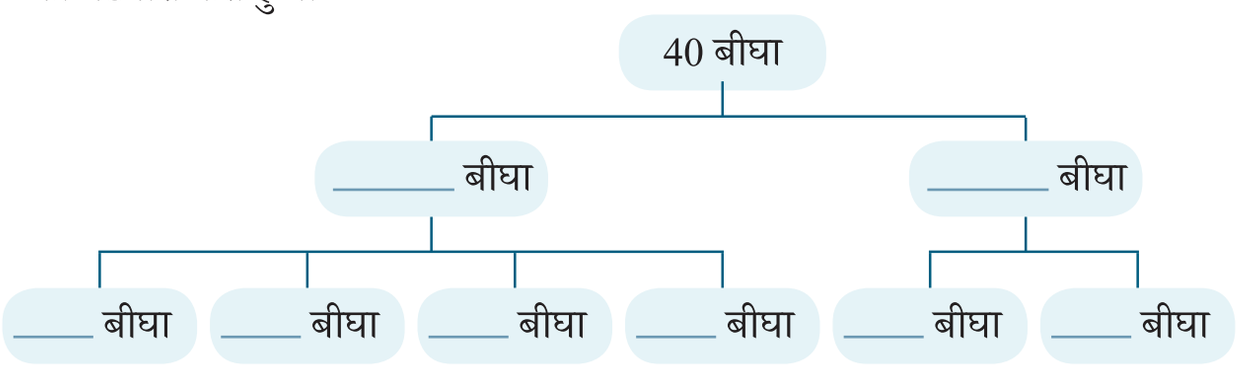

- 40 को 2 बराबर भागों में बाँटा

  $40 \div 2 =$ ____

- 20 को 4 बराबर भागों में बाँटा

  $20 \div 4 =$ ____

- 20 को ____ बराबर भागों में बाँटा

  $20 \div$ ____ $= 5$

शिक्षक-निर्देश— भूमि या किसी अन्य सामग्री के बराबर-बराबर बँटवारा करते हुए भाग की समझ पर चर्चा करें।

For the Facilitator: Discuss the importance of equal sharing by using examples of land or any other objects in order to develop understanding of fractions.

Chapter 7.indd 77 08-Dec-20 10:13:29 AM

मिलकर पढ़िए

18.07.06

मुंबई के एक मकान में श्रीमती शिंदे तैयार हो रही हैं। पिछले एक घंटे से वे गले का हार ढूँढ़ रही हैं।

शांति हेमब्राम पिछले तीन साल से इस मकान में काम कर रही है।

मि. शिंदे थाने में पहुँच जाते हैं।

शिंदे साहब शांति के बक्से की तलाशी लेते हैं जिसमें एक लिफ़ाफ़े में 10,000 रुपये मिलते हैं। वह शांति पर चिल्लाने लगते हैं। उन्हें यकीन हो जाता है कि शांति ने हार बेच दिया है और यह उसी का पैसा है।

शिंदे साहब के कहने पर सब-इंस्पेक्टर राव एफ.आई.आर. दर्ज़ कर लेते हैं।

Chapter 7.indd 78 08-Dec-20 10:13:35 AM

शिंदे साहब सब-इंस्पेक्टर राव के साथ घर आते हैं।

19.07.06

शांति का भाई सुशील आता है और सब-इंस्पेक्टर राव से विनती करता है कि वह शांति को छोड़ दें।

सब-इंस्पेक्टर राव सुशील को भी दो दिन तक हवालात में रखता है। उसे सब-इंस्पेक्टर राव एवं कई कांस्टेबल पीटते हैं और गालियाँ देते हैं। वे उस पर दबाव डालते हैं कि वह इल्ज़ाम कबूल कर ले। वे उसे यह मानने के लिए कहते हैं कि वह और उसकी बहन शांति घरेलू नौकरों का एक गिरोह चलाते हैं और वह गिरोह घरों से गहने चोरी करता है। शिंदे के पड़ोस से गहनों के गायब होने की कुछ और शिकायतें भी आ चुकी थीं। जब सुशील बार-बार यही कहता रहता है कि वह निर्दोष है और फ़ैक्टरी में मज़दूरी करता है तो दो दिन बाद पुलिस उसे छोड़ देती है।

23.08.06

अदालत ने एक महीने बाद शांति की जमानत की अर्ज़ी मंज़ूर तो कर ली, लेकिन कोई भी 20,000 रुपये के लिए उसका ज़मानती बनने को तैयार नहीं था। नतीज़तन ज़मानत के बावजूद वह जेल में ही पड़ी रही। वह गहरे सदमे की हालत में है। वह डरी हुई है कि मुकदमे का क्या नतीज़ा निकलेगा।

14.09.06

पुलिस ने मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोपपत्र दायर कर दिया है। अदालत की ओर से आरोपपत्र और गवाहों के बयानों की एक नकल शांति को दे दी जाती है। शांति अदालत को बताती है कि चोरी के इस झूठे इल्ज़ाम से बचने के लिए उसके पास कोई वकील नहीं है।

मजिस्ट्रेट महोदय शांति की दलील सुनकर अधिवक्ता कमला रॉय को सरकारी खर्चे पर बचाव पक्ष का वकील बना देते हैं।

संविधान के अनुच्छेद 22 के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को एक वकील के ज़रिए अपना बचाव करने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। संविधान के अनुच्छेद 39-ए में ऐसे नागरिकों को वकील मुहैया कराने की ज़िम्मेदारी राज्य के ऊपर सौंपी गई है जो गरीबी या किसी और वज़ह से वकील नहीं रख सकते।

Chapter 7.indd 79 08-Dec-20 10:13:39 AM

अधिवक्ता कमला रॉय शांति से अदालत में मिलती हैं।

11.12.06

अदालत शांति पर आरोप लगाती है कि उसने श्रीमती शिंदे का सोने का हार चुराया है। और चोरी के हार को बेचकर शांति को जो 10,000 रुपये मिले वे उसके पास पाए गए।

मजिस्ट्रेट के सामने मुकदमा शुरू हो जाता है।

08.03.07

सरकारी वकील राज्य की ओर से मुकदमे में हाजिर होता है। वह श्रीमती एवं श्री शिंदे को मुख्य गवाह के रूप में पेश करता है।

इसके बाद अधिवक्ता रॉय श्रीमती शिंदे से ज़िरह करती हैं।

20.04.07

अधिवक्ता रॉय बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर सुशील और उसके मालिक से कुछ सवाल पूछती हैं। इन दोनों के बयानों के आधार पर सुश्री रॉय यह साबित कर देती हैं कि शांति के संदूक में मिले 10,000 रुपये सुशील और शांति की कमाई की रकम भी हो सकती है।

Chapter 7.indd 80 08-Dec-20 10:13:47 AM

14.05.07

जब मुकदमा खत्म होने के नज़दीक पहुँच जाता है तभी सुशील को पता चलता है कि इंस्पेक्टर शर्मा ने युवाओं के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के लोग शिंदे के मोहल्ले में गहनों की चोरी करते हैं। श्रीमती शिंदे के बेटे के कुछ दोस्त भी इस गिरोह के सदस्य हैं। उनके पास से श्रीमती शिंदे का हार बरामद हो जाता है। सुशील यह बात अधिवक्ता रॉय को बताता है। अब अधिवक्ता रॉय बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर इंस्पेक्टर शर्मा को अदालत में पेश करती हैं।

15.07.07

न्यायाधीश महोदय सारे गवाहों के बयान सुनते हैं। इंस्पेक्टर शर्मा का बयान सुनने के बाद अधिवक्ता रॉय न्यायाधीश के सामने यह दलील देती हैं कि अब शांति निर्दोष साबित हो चुकी है इसलिए उसे बरी कर दिया जाए।

(सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-III, एन.सी.ई.आर.टी.)

Chapter 7.indd 81 08-Dec-20 10:13:49 AM

टिप्पणी

Cover 1 and 4.indd 3 08-Dec-20 12:23:37 PM

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Cover 1 and 4.indd 1 08-Dec-20 12:22:24 PM